



चरवाहों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने का विवाद फिर @ नम्मा बेंगलूर

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 17 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : <https://www.shubhlabhdaily.com> | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-256

भारत ने नहीं माना था अमेरिकी मध्यस्थता का प्रस्ताव

पाकिस्तान के कुबूलनामे से खुली ट्रंप के दावे की पोल

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों बार-बार दावा कर रहे हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाई। वे कहते हैं कि उन्होंने दोनों देशों को धमकी दी थी कि अगर जंग नहीं रुकी तो व्यापार बंद कर देंगे। लेकिन अब पाकिस्तान के ही विदेश मंत्री इशाक डार ने ट्रंप की पोल खोल दी है। डार ने साफ कहा कि भारत ने कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं मानी। सब कुछ द्विपक्षीय था, यानी सिर्फ भारत और पाकिस्तान के बीच।

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने अल जजीरा को इंटरव्यू में ट्रंप के दावे को झूठा साबित कर दिया। डार ने कहा, हम तीसरे

पक्ष की मध्यस्थता के खिलाफ नहीं, लेकिन भारत ने हमेशा कहा कि ये द्विपक्षीय मुद्दा है।

डार ने बताया कि मई में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने युद्धविराम का प्रस्ताव दिया था। रूबियो ने कहा था कि किसी तीसरी जगह पर बातचीत होगी, लेकिन 25 जुलाई को वॉशिंगटन में रूबियो से मिले तो रूबियो से उन्होंने भारत से बात के बारे में पूछा। इस पर रूबियो ने जवाब दिया, भारत ने प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। भारत ने कहा कि ये उनका द्विपक्षीय मामला है।

डार ने जोड़ा, हम किसी से भीख नहीं माँग रहे। पाकिस्तान शांति चाहता है। डायलॉग ही रास्ता है, लेकिन बातचीत दोनों



सीनफायर का निर्णय भारत-पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच हुई बातचीत से हुआ

तर्फ से हो। अगर भारत तैयार

हो तो हम बात करने को तैयार हैं। डार ने साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अमेरिका से कोई मदद नहीं माँगी।

हालाँकि डार ये कह रहे हैं कि पाकिस्तान ने मदद नहीं माँगी, लेकिन भारत ने साफ कहा है कि पाकिस्तान ने पहले घुटने टेके और ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए

पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय समकक्ष से गुहार लगाई थी। खैर, दावे अमेरिका की तरफ से भी हुए, पाकिस्तान की तरफ से भी। लेकिन हकीकत क्या है, ये सारी दुनिया देख चुकी है। भारत ने पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर में न सिर्फ पंगु कर दिया था, बल्कि उसकी हवाई रक्षा प्रणाली को पंगु करते

हुए अंदर तक जोरदार हमले किए। अभी तक पाकिस्तान के सभी एयरबेस ऑपरेशन नहीं हो पाए हैं।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप लगातार दावा करते रहे हैं कि अमेरिका की मध्यस्थता से दोनों देशों ने पूर्ण युद्धविराम कर लिया। ट्रंप कहते रहे हैं, मैंने दो न्यूक्लियर देशों की जंग रोकी। लाखों लोग मर सकते थे। ट्रंप ने दावा किया था कि व्यापार की बात करके भारत को मनाया। लेकिन भारत ने हमेशा इनकार किया।अब डार के बयान ने सबकुछ साफ कर दिया है। डार का बयान ट्रंप के लिए बड़ा झटका है। पहले पाकिस्तान ने ट्रंप के दावे का समर्थन किया था, लेकिन अब डार ने पलट दिया। भारत ने हमेशा कहा कि आतंकवाद पर बात होगी,

►10पर

मोदी सरकार का नशा मुक्त भारत का संकल्प

2047 तक खत्म होगा खतरा : अमित शाह



नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक द्रव्य निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ कार्रवाई के पैमाने में बदलाव किया जाए ताकि आने वाले दिनों में और अधिक सफलताएँ मिलें।

अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने 2047 में एक महान भारत के निर्माण की संकल्पना प्रस्तुत की। एक ऐसा भारत जो पूर्णतः विकसित होगा। अगर हमें ऐसा भारत बनाना है, तो अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बेहद ज़रूरी है। क्योंकि किसी भी महान राष्ट्र की संकल्पना, उसकी नींव

उस देश की युवा पीढ़ी होती है। अगर हमारी आने वाली पीढ़ियाँ खोखली हो जाएँगी, तो देश भटक जाएगा... दुर्भाग्य से, वे दोनों क्षेत्र जहाँ से दुनिया भर में नशे की आपूर्ति होती है, हमारे नज़दीक ही हैं... इसलिए यही समय है कि हम इसके खिलाफ मजबूती से लड़ें।

शाह ने कहा कि तीन तरह के कार्टेल होते हैं, एक वो कार्टेल जो देश के सभी एंटी पॉइंट्स पर काम करता है, दूसरा वो कार्टेल जो एंटी पॉइंट से राज्य तक डिस्ट्रीब्यूशन का कार्टेल है और तीसरा वो कार्टेल जो राज्यों में पान की दुकान या गली के नुक़्कड़ पर ड्रग्स बेचने तक काम करता है। इन तीनों तरह के कार्टेल्स पर कड़ा प्रहार करने का समय आ गया है। मेरा मानना है कि ऐसा तभी हो सकता है जब यहाँ बैठे लोग तय कर लें कि ये लड़ाई हमारी लड़ाई है।

अमित शाह ने कहा कि भगोड़ों का निर्वासन और प्रत्यर्पण, ये दोनों ही बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं। अब समय आ गया है कि जो लोग विदेश में बैठकर यहाँ नशे का कारोबार कर रहे हैं, उन्हें हमारे कानून के दायरे में लाया जाए। सीबीआई ने इसमें बहुत अच्छा काम किया है। मैं सभी एएंडटीएफ अध्यक्षों से अनुरोध करता हूँ कि वे सीबीआई निदेशक से संपर्क करें और प्रत्यर्पण के लिए एक ऐसी व्यवस्था स्थापित करें, जो न केवल नशे, ►10पर

ब्राजीली संस्कृत विद्वान ने प्रधानमंत्री की 75वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर एक संदेश में लिखा

मोदी की उपस्थिति में एक शक्ति है

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

उनकी उपस्थिति में एक शक्ति है- एक अदृश्य बल जो उनके आसपास के वातावरण को बदल देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति यह भाव है ब्राजील के संस्कृत और वैदिक ज्ञान के अध्येता और अध्यापक आचार्य जोनास मेसेती का।

पश्वरी अलंकरण से सम्मानित आचार्य मेसेती ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की 75वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर एक संदेश में लिखा, मेरी दृष्टि में श्री मोदी केवल राजनीतिक नेता ही नहीं बल्कि उनके अंदर कोई बड़ी शक्ति है। कोई उनसे भी बड़ी चीज जो उनका मार्गदर्शन करती है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद ब्राजील की सेना में पांच साल की सेवा छोड़ कर आज रियो डी जेनेरियो में विश्व विद्या संस्थान का संचालन कर रहे श्री मेसेती ने



अपने अनुभवों के आधार पर लिखा है, उनकी उपस्थिति में एक शक्ति है, एक अदृश्य शक्ति जो उनके आस पास का पूरा वातावरण बदल देती है।

उनके अनुसार मोदीजी का नेतृत्व न केवल राजनीतिक, बल्कि अति शांत और प्रमाणिक तरीके से गहन रूप से आध्यात्मिक है। वह साधारण पृष्ठभूमि से ऊपर उठे हैं, इसके पीछे किसी विशेषाधिकार की भूमिका नहीं रही है बल्कि उनके उद्देश्य ने उन्हें यहाँ तक पहुंचाया है। ब्राजीली विद्वान ने लिखा है कि श्री मोदी

75 वर्ष की अवस्था में एक दीपस्तंभ की भांति हैं- जो यह बताता है कि सही मायने में व्यक्ति की महानता उसकी पदवी नहीं बल्कि वह उद्देश्य है जिसके लिए वह जीता है।

उनका कहना है अपने उद्देश्य के प्रति श्री मोदी की अडिग प्रतिबद्धता उनकी इस सोच को दर्शाती है कि भारत का भविष्य केवल आर्थिक और भूराजनीतिक स्थिति पर ही नहीं बल्कि धर्म, अस्मिता और उसकी आत्मा पर टिका है।

आचार्य मेसेती ने कहा है कि उन्हें श्री मोदी को एक नहीं कई बार नजदीक से देखने का अवसर मिला है और हर बार उनका यही अनुभव रहा है कि उनके सामने कोई राजनेता नहीं बल्कि किसी बड़ी आंतरिक शक्ति का धनी व्यक्तित्व उपस्थित है और जिसे उससे भी बड़ी कोई शक्ति दिशा दिखा रही है।

उत्तराखंड की टोंस नदी में ट्रैक्टर बहा-8 लोगों की मौत

देहरादून में बाढ़ फटा, 4 लोगों की जान गई

शिमला, देहरादून, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के देहरादून में मंगलवार सुबह 5 बजे बाढ़ फटा। इससे तमसा, कारलीगाड़, टोंस और सहस्त्रधारा नदी में जलस्तर बढ़ गया। सहस्त्रधारा समेत आसपास के कई इलाकों के घरों, दुकानों और मंदिरों में 5-6 फीट तक पानी भर गया। कई सड़कें भी बह गईं।

विकास नगर में टोंस नदी में पानी का बहाव अचानक तेज होने से मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में बह गई। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग लापता हैं। वहीं, मालदेवता में सौगं नदी में 5 लोग बह गए, जिसमें से 4 के शव मिल गए हैं जबकि एक लापता है। तमसा नदी के किनारे बने टपकेश्वर महादेव मंदिर में पानी भर गया। यहां मौजूद दुकानें बह गईं। 2 लोग लापता हैं। सहस्त्रधारा में 5 लोगों को बचाया गया। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी में मंगलवार को लैंडस्लाइड से एक मकान ढह गया। ►10पर

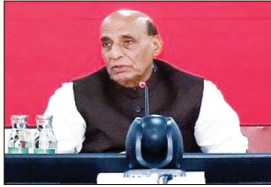


राजनाथ सिंह का आह्वान

सेना बनेगी टेक-फ्रेंडली, भविष्य के युद्धों की तैयारी तेज

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों से युद्ध की पारंपरिक अवधारणाओं से आगे बढ़कर सूचना, वैचारिक, पारिस्थितिक और जैविक युद्ध जैसे अपरंपरागत खतरों से उत्पन्न अदृश्य चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्क और तैयार रहने का आह्वान किया है। 16 सितंबर को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने अशांत वैश्विक व्यवस्था, क्षेत्रीय अस्थिरता और उभरते सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए, दुनिया भर में हो रहे बदलावों और देश की सुरक्षा व्यवस्था पर उनके प्रभाव के निरंतर आकलन की आवश्यकता पर बल दिया। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि युद्ध की प्रकृति लगातार विकसित हो रही है, और हाल के वैश्विक संघर्षों ने एक प्रौद्योगिकी-अनुकूल सेना की प्रासंगिकता को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि आज के युद्ध इतने अचानक और अप्रत्याशित होते हैं कि उनकी अवधि का अनुमान लगाना बेहद मुश्किल है। ►10पर



सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

महाराष्ट्र में 31 जनवरी 2026 तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 31 जनवरी, 2026 तक राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने महाराष्ट्र के अधिकारियों को इस साल 10 अक्टूबर तक राज्य में परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष न्यायालय ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि 6 मई को जारी उसके तर्कसंगत आदेश के बावजूद राज्य चुनाव आयोग इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई करने में विफल रहा।

तत्कालीन आदेश में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना चार सप्ताह के भीतर और चुनाव चार महीने के भीतर कराने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने अब महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव कराने के लिए कार्यक्रम निर्धारित करते हुए समय सीमा में और विस्तार दे दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संबंध में आगे कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा। ►10पर



कार्टून कॉर्नर



देशभर में एक साथ एसआईआर होने पर हट जाएंगे 15 करोड़ मतदाताओं के नाम?

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में हो रहे एसआईआर में जिस तरह 65 लाख मतदाताओं के नाम हटे और उसे ठोस चुनौती भी नहीं मिली उससे यह भी आकलन लगाया जाने लगा है कि पूरे देश में एसआईआर हुआ तो लगभग पंद्रह करोड़ ऐसे मतदाताओं के नाम हट सकते हैं जो या तो मृत हो चुके हैं या फिर दोहरा इपिक रखे हुए हैं या स्थानांतरित हो चुके हैं। यह अनुमान इसलिए भी लगाया जा रहा है क्योंकि बिहार

में एसआईआर के दौरान करीब दस प्रतिशत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हट गए हैं। इनमें बड़ी संख्या में मृत, स्थानांतरित व दो जगहों से नाम दर्ज कराने वाले मतदाताओं के अतिरिक्त बांग्लादेश व नेपाल आदि देशों से आए विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

मौजूदा समय में देश की मतदाता सूची में करीब सौ करोड़ मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। मतदाता सूची से इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों के हटने का अनुमान इसलिए



लगाया जा रहा है क्योंकि देश के अधिकांश राज्यों में इससे पहले एसआईआर बिहार के साथ 20 वर्ष पहले यानी वर्ष 2003 से 2005 के बीच हुआ था।

चुनाव आयोग से जुड़े उच्च पदस्थ सूर्यों के मुताबिक ऐसे में बिहार जैसी स्थिति देश के दूसरे राज्यों में भी देखने को मिलेगी। जहां मतदाता सूची में शामिल

बड़ी संख्या में मृत, स्थानांतरित व दो जगहों से नाम दर्ज कराने वाले मतदाता मिलेंगे। इनमें भी पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में ऐसे मतदाताओं की संख्या बिहार से भी अधिक देखने को मिल सकती है। इसकी वजह स्थानांतरण और घुसपैठ दोनों हैं। आयोग के मुताबिक बिहार में एसआईआर से पहले मतदाताओं की संख्या 7.89 करोड़ थी, जबकि ड्राफ्ट सूची में इनमें से कुल 7.24 करोड़ मतदाताओं को जगह मिली। यानी इनमें से

65 लाख पहले दौर में ही बाहर हो गए। संदिग्ध नागरिकता के आधार पर ही तीन लाख लोगों को नोटिस दिया गया है। सूत्रों का दावा है कि ड्राफ्ट सूची पर किए गए दावे-आपत्तियों में भी करीब तीन लाख से अधिक दावे-आपत्तियां नाम काटने के लिए ही किए गए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ड्राफ्ट सूची से भी और भी मतदाता अलग-अलग वजहों से बाहर हो सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक करीब दस प्रतिशत मतदाताओं के नाम मौजूदा मतदाता ►10पर

सर्पाफा बाज़ार



(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,13,950/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,32,230/-
(प्रति किलोग्राम)

बेंतलूर/शुभ लाभ ब्यूरो पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा 22 सितंबर से राज्य में किए जा रहे सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण के मद्देनजर, डाक विभाग ने आधार नंबरों को मोबाइल नंबरों से जोड़ने के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों को तैनात किया है। जनता की सुविधा के लिए, मोबाइल नंबरों को आधार नंबरों से जोड़ने के लिए जिलावार, तालुकावार और ग्रामवार अधिकारियों को तैनात किया गया है। नियुक्त किए गए ग्राम, नगर डाकघर अधिकारियों, कर्मचारियों के नाम और फोन नंबर पिछड़ा वर्ग आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिए गए हैं। जरूरतमंद लोग अपने गाँव में नियुक्त डाकघर अधिकारी, कर्मचारी से आधार नंबर और मोबाइल नंबर लिंक करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। छह वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों के लिए सर्वेक्षण में अपना आधार नंबर दर्ज कराना अनिवार्य कर दिया गया है। इसलिए, आयोग ने उन लोगों के लाभ के लिए यह कदम उठाया है जिन्होंने अपना आधार नंबर अपने मोबाइल नंबर से नहीं जोड़ा है। सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण के संदर्भ में, बिजली मीटर रीडरों की सेवाओं का उपयोग करके पहले से ही धरेलू जनगणना की जा रही है।



अदालत के आदेश के बावजूद दर्शन को बेंगलूरु जेल में बिस्तर और तकिया नहीं मिला

कानूनी टीम ने नई याचिका दायर की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के परपना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में बंद अभिनेता दर्शन को बिस्तर और तकिया उपलब्ध कराने के अदालती आदेश के बावजूद, बुनियादी हिरासत सुविधाओं से भी वंचित रखा जा रहा है, ऐसा उनकी कानूनी टीम ने आरोप लगाया है। इसके जवाब में, उनके वकीलों ने 57वीं केंद्रीय कारागार अदालत में एक नई याचिका दायर की है, जिसमें जेल अधिकारियों पर न्यायिक निर्देशों की अनदेखी करने और अभिनेता को अमानवीय परिस्थितियों में रखने

का आरोप लगाया गया है। दर्शन की ओर से पेश हुए वकील सुनील ने पहले अदालत को बताया था कि अभिनेता जेल के अंदर ठंड के कारण परेशान हैं और उन्होंने गंदे और बिस्तर जैसी न्यूनतम सुविधाएँ उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। अदालत ने दलीलों सुनने के बाद जेल अधिकारियों को ये बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। हालाँकि, नवीनतम याचिका में, कानूनी टीम का दावा है कि अदालत के निर्देश का पालन नहीं किया गया है। याचिका में लिखा है, अदालत के आदेश के बाद भी, कोई सुविधा प्रदान नहीं की गई है। दर्शन को बिस्तर या तकिया नहीं दिया गया



है। याचिका में जेल अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना का मुकदमा चलाने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि आदेश उन्हें ईमेल किए जाने के बावजूद, इसे लागू करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया

गया है। वकील ने अदालत को बताया दर्शन पहले की तरह ही कष्ट झेल रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे उसकी यातना को जानबूझकर लंबा खींचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बचाव पक्ष की टीम ने मामले की जाँच के लिए दो-तीन बार जेल का दौरा किया, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। दर्शन को हिरासत में लिए हुए एक महीने से ज्यादा हो गया है, फिर भी उसे एक कारांटाइन सेल में रखा गया है - जेल के नियमों के अनुसार, इस जगह का इस्तेमाल अधिकतम 14 दिनों के लिए किया जा सकता है। सूरज की रोशनी न मिलने पर चिंता जताते हुए, वकील ने कहा जब हमने सूरज

की रोशनी के बारे में पूछा, तो हमसे मजाक में कहा गया, 'क्या हम सूरज की रोशनी अंदर ला सकते हैं?' इस तरह का जवाब अधिकारियों की उदासीनता को ही दर्शाता है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि दर्शन के साथ क्रूरतापूर्ण और न्यूनतम व्यवहार किया जा रहा है, जो हिरासत के बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन है। कानूनी टीम ने कहा उन्हें सबसे जरूरी सुविधाओं से भी वंचित रखा जा रहा है। यह सिर्फ उपेक्षा ही नहीं, बल्कि उत्पीड़न की हद तक है।

अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली है और सुनवाई 27 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी है।

लाल पत्थर का मुद्दा सुलझा, जल्द जारी होगी एसओपी: यू टी खादर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने घोषणा की कि लंबे समय से चले आ रहे लाल पत्थर के मुद्दे का समाधान हो गया है और आने वाले दिनों में एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए, खादर ने कहा कि पिछली कैबिनेट बैठक में, स्पष्ट परमिट के अभाव के कारण उत्पन्न भ्रम, दुरुपयोग और भय को दूर करने के लिए एक स्थायी समाधान निकाला गया था। अब एक नया कानूनी ढाँचा स्थापित किया गया है, जिससे लाल पत्थर विक्रेता कानूनी रूप से काम कर सकेंगे। कैबिनेट ने नई नीति को मंजूरी दे दी है और मुख्यमंत्री ने भी अपनी सहमति दे दी है। लाल पत्थर व्यवसाय के लिए 53 आ-वेदनों में से 25 आवेदकों को नए ढाँचे के तहत लाइसेंस और



परमिट पहले ही प्रदान किए जा चुके हैं। खादर ने इस मामले पर विरोध करने के अधिकार को स्वीकार किया और कहा कि राजनीतिक विरोध तो समझ में आता है, लेकिन अब एक निष्पक्ष और कानूनी समाधान पेश किया गया है, जिससे लाल पत्थर के व्यापार से जुड़े लोगों को राहत मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि रेत खनन से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए भी इसी तरह के उपाय किए जा रहे हैं। रेत खरीद को सुव्यवस्थित करने और अनियमितताओं को कम करने के लिए 'रेत बाजार' ऐप लॉन्च किया

गया है। सीआरजेड उल्लंघनों के तहत जब्त किए गए रेत के स्टॉक को अब सार्वजनिक कार्यों के लिए पुनर्निर्देशित किया जाएगा, और उपायुक्त को बुनियादी ढाँचे की जरूरतों के लिए सामग्री आवंटित करने के निर्देश दिए गए हैं। सड़क बुनियादी ढाँचे के संबंध में, खादर ने निर्देश दिया कि मेंगलूरु निर्वाचन क्षेत्र में प्रमुख सड़कों की मरम्मत हाल ही में आए मानसून के तुरंत बाद शुरू हो। मरम्मत और व्यापक सुधार सहित सड़क विकास के लिए 90 करोड़ रुपये पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं। अधिकारियों को बिना किसी देरी के सभी गड्ढों को भरने के निर्देश दिए गए हैं। गड्ढों के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना की स्थिति में, जिम्मेदार इंजीनियरों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही सहित कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री सोमन्ना ने दो आर्यूबी, यात्री सुविधाओं का शिलान्यास किया

हुब्ल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

क्षेत्रीय रेलवे और सड़क अवसंरचना को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने बेलगावी के अंगोल गेट (चौथे गेट) पर एलसी 380 और खानपुर स्टेशन गार्ड में एलसी 360 के स्थान पर दो डोंड अंडर ब्रिज (आर्यूबी) और खानपुर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने खानपुर में अतिरिक्त ठहराव के साथ ट्रेन संख्या 17317 एसएसएस हुब्ल्ली-दादर सेट्रल एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। ये विकास कार्य बेलगावी और खानपुर के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करते हैं और क्षेत्र में कनेक्टिविटी और यात्रा दक्षता में



सुधार करते हैं। सोमन्ना ने इस बात पर जोर दिया कि ये आर्यूबी प्रमुख क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएँगे। बेलगावी के अंगोल गेट (चौथा गेट) पर एलसी 380 के स्थान पर आर्यूबी का निर्माण 26.05 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। खानपुर स्टेशन गार्ड में एलसी 360 के स्थान पर आर्यूबी, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रती-

क्षालय और शौचालय जैसी यात्री सुविधाओं को क्रमशः 11 करोड़ रुपये और 2.5 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। इन परियोजनाओं से बेलगावी और खानपुर के लोगों के लिए तेज और अधिक कुशल परिवहन विकल्प प्रदान करके यात्रा के अनुभव में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। अपने संबोधन में, वी. सोमन्ना ने ठेकेदारों और

अधिकारियों को निर्माण की उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करने और परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि के भीतर पूरा करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने धारवाड़ और बेलगावी के बीच एक व्यापक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। रास्ते में उन्होंने अलनावर और लोंडा रेलवे स्टेशनों का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने जनता से बातचीत की और उनकी चिंताओं का समाधान किया और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस मौके पर सांसद जगदीश शेडूर, राज्यसभा सांसद इर्रा कडाडी, विधायक अभय पाटिल, महापौर मंगेश पवार, डीआरएम हुब्ल्ली बेला मीना, सीएओ, सीएन अजय शर्मा, पीसीसीएम एस.पी. शास्त्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के तहत 5 निगमों के लिए जल्द ही पेश होगा नया बजट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीबीएमपी के जाने और ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के आने के साथ, जीबीए के अधिकारियों ने नए निगमों के लिए नया बजट पेश करने का फैसला किया है। ग्रेटर बेंगलूरु क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले 5 नगर निगमों के नए बजट की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और यह तय है कि 10 अक्टूबर तक सभी निगमों में बजट पेश कर दिया जाएगा। नए बजट की तैयारी शुरू हो चुकी है और वित्तीय वर्ष के शेष 8 महीनों के लिए अलग-अलग बजट पेश किए जा रहे हैं। 5 नगर निगमों के आयुक्तों की नियुक्ति पहले ही कर दी गई है।

सभी आयुक्तों ने अपने-अपने नगर निगम में बजट पेश करने की तैयारी शुरू कर दी है। जीबीए सत्रों ने बताया कि कर्मचारियों के वेतन, प्रशासनिक व्यय, बैठक व्यय, कल्याणकारी कार्यक्रमों, कार्यों, पार्कों, मैदानों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, सड़कों



के रखरखाव, इंद्रिा कैटीन व्यय और अपने नगर निगम के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों से संबंधित बजट पेश करने का निर्णय लिया गया है। सत्रों का कहना है कि अगर सब कुछ ठीक रहा, तो इस महीने के अंत तक या 10 अक्टूबर तक बजट जरूर पेश कर दिया जाएगा। चूँकि शहर में चल रहे प्रमुख कार्य और कचरा निपटान के मुद्दे जीबीए के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, इसलिए ऐसे कार्यों को छोड़कर, शेष कार्यों के विकास के लिए एक नया बजट पेश किया जा रहा है। संबंधित

नगर निगमों को मिलने वाले संपत्ति करों की जानकारी पहले ही प्राप्त कर ली गई है। इसके आधार पर, पाँचों निगमों के आयुक्तों ने बजट पेश करने की तैयारी कर ली है।

बीबीएमपी के अधिकार क्षेत्र में पूर्व में तय किए गए कार्यों को बजट के अंतर्गत तभी लाया जाएगा जब वे जनता के लिए लाभकारी हों, अन्यथा ऐसे कार्यों के रद्द होने की संभावना है। साथ ही, बीबीएमपी द्वारा पूर्व में लिए गए ऋणों को संबंधित नगर निगमों को वितरित कर दिया गया है।

विशाल हृदय रख कर लोगों की करें सेवा: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्व-त्वधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि सभी को सब कुछ अलग अलग मिलता है। सबको सब कुछ नहीं मिलता है। किसी का भाग्य तेज होता है तो किसी का भाग्य साथ नहीं देता है। कोई सुखी है तो कोई दुखी है। यह सब कर्मों की रेखा का ही खेल है। कर्म की रेखा टलती नहीं है। किसी मनुष्य का दिल बड़ा होता है तो किसी का छोटा होता है। बड़े दिल वाले सबके दिलों में होते हैं। चार प्रकार के मनुष्य होते हैं। जिसमें संकुचित हृदय वाला पहला है।

ऐसा मनुष्य ना खाता है ना खाने देता है। अनुदार हृदय वाला महा कंजूस होता है। खुद तो खायेगा पर दूसरों को नहीं खिल-एगा। खुद अच्छा अच्छा खाने का प्रयास करता है, लेकिन खिलाने की बात आने पर कंजूसी दिखाने लगता है। तीसरा उदार



होता है। जो खाने के साथ खिलाना भी जनता है। वह उदार हृदय से दूसरों को खिलाता है। चौथा विशाल हृदय वाला होता है। जो हमेशा खुला रहता है। वह सोचता है क्या लाए थे क्या ले जाएंगे।

इसलिए विशाल हृदय वाला खाने से ज्यादा खिलाने के लिए आगे रहता है। भाग्यशाली मनुष्य जहां पैर रखता है वहीं अमृत का कुआं मिलता है। भाग्यहीन को सामने रखने पर भी नहीं मिलता है। भाग्यवान मनुष्य का जीवन बहुत अलग होता है। उनके लिए सब द्वार खुले रहते हैं। लेकिन भाग्यहीन मनुष्य के लिए सभी दरवाजे बंद रहते हैं। यह सब कर्मों का खेल है। जिसका जैसा भाग्य

होता है उसको वैसा ही मिलता है। भाग्य में जो है वह चलकर आएगा और जो नहीं है वह आकर भी चला जाएगा। इसलिए कहते हैं दुनिया बहुत दुखकारी है। जितना जल्दी हो सके इसको छोड़ देना चाहिए। मन का चाहना कभी नहीं होता है। जो हो रहा है यह सब कर्मों का ही खेल है। गुरुदेव ने फरमाया कि पुण्यवाणी से कर्मों का बंध दूर होता है। धर्म ध्यान भजन कर मनुष्य भव को तार लेना चाहिए। भजन करने वालों से देवता भी खुश होते हैं। जब मन ना लगे तो माला फेर देना चाहिए। माला फेरने से फायदा के अलावा नुकसान नहीं है। मनुष्य अगर प्रयास करे तो अपने सोए हुए भाग्य को भी जगा सकता है। इन मार्गों पर चलने वाला अपना जीवन सुधार सकता है। इस मौके पर चेन्नई से शांतिलाल तातेड़ सपरिवार मौजूद थे। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

धर्मस्थल मामला : हत्या, लीपापोती और संभावित उत्खनन के दावों के बीच एसआईटी को 30 से अधिक शिकायतें मिलीं

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तटीय कर्नाटक में सनसनी फैलाने वाले एक मामले में, धर्मस्थल गाँव में अवैध रूप से मानव दफनाने के आरोपों की जाँच कर रहे विशेष जाँच दल (एसआईटी) को अब तक 30 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं, जिनमें संदिग्ध मौतों से लेकर गुमशुदारी और शवों के अनधिकृत निपटान तक शामिल हैं। एसआईटी कथित तौर पर चुनिंदा मामलों की व्यापक जाँच शुरू करने की तैयारी कर रही है, जबकि उसे बढ़ते राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है और चौकाने



वाले दावे किए जा रहे हैं कि धर्मस्थल मंदिर की धार्मिक पवित्रता को धूमिल करने के लिए यह पूरा विवाद विदेशी फंडिंग से प्रेरित हो सकता है। बढ़ती शिकायतों की सूची में गुमशुदारी, अप्राकृतिक मौतें, संदिग्ध हत्याएँ और शवों के अवैध निपटान के

प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से एक व्यापक साजिश का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि इस अभियान को विदेशी संस्थाओं द्वारा वित्तीय सहायता दी जा रही है।

जाँच की प्रगति की समीक्षा करने और शिकायतों की विश्वसनीयता निर्धारित करने के लिए, एसआईटी प्रमुख प्रणब मोहंती ने बेल्तांगडी कार्यालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई, जिसमें पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार दयामा, सी ए साइमन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। एसआईटी अब शिकायतों

की जाँच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि किन मामलों में गहन जाँच की आवश्यकता है और किन मामलों को अपर्याप्त साक्ष्य के कारण बंद किया जा सकता है। एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया हमें 30 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं, जिनमें से सभी की जाँच चल रही है। अगर किसी मामले में तथ्य की कमी पाई जाती है, तो उसे उचित प्रक्रिया के तहत बंद कर दिया जाएगा। हालाँकि, कई मामलों में व्यापक जाँच की आवश्यकता होती है, और आगे की जानकारी एकत्र करने की आवश्यकता होती है।

कर्नाटक में यातायात जुर्माना छूट से 100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्रित

37.86 लाख मामले निपटाए गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ई-चालान के माध्यम से दर्ज लंबित यातायात उल्लंघन मामलों के जुर्माने पर 50 प्रतिशत की छूट को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिसके परिणामस्वरूप 22 दिनों के भीतर 106 करोड़ रुपये की वसूली हुई। इस योजना के तहत कुल 37,86,123 मामलों का निपटारा किया गया। यह छूट योजना, जिसके तहत उल्लंघनकर्ताओं को 50 प्रतिशत की छूट पर जुर्माना भरने की अनुमति दी गई थी, 23 अगस्त से 12 सितंबर तक लागू की गई थी, जिससे नागरिकों को अपने लंबित यातायात उल्लंघन बकाया चुकाने का अवसर मिला। यातायात पुलिस ने नागरिकों के लिए जुर्माना भरना आसान बनाने और सड़कों पर उल्लंघनों को कम करने के लिए यह पहल शुरू की। योजना के अंतिम दिन, यातायात प्रबंधन केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं क्योंकि लोग अपना बकाया चुकाने के लिए दौड़ पड़े। इस योजना के पूरे कार्यकाल में उल्लेखनीय वसूली हुई। अधिकारियों ने बताया कि यह पहली बार है जब किसी एक योजना में इतनी बड़ी राशि एकत्र की गई है, जो सड़क सुरक्षा के बारे में बढ़ती जन जागरूकता का भी संकेत है।



पाँच नए निगमों के चुनावों के संबंध में बैठक



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो केपीसीसी अध्यक्ष भी हैं, ने ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के अंतर्गत आने वाले पाँच नए निगमों के चुनावों के संबंध में मंगलवार को कांग्रेस कार्यालय में मंत्रियों, विधायकों, विधान

परिषद सदस्यों, पार्टी पदाधिकारियों और बेंगलूरु क्षेत्र के नेताओं के साथ एक बैठक की। बैठक में केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जी.सी. चंद्रशेखर, मंत्री रामलिंगा रेड्डी, के.जे. जॉर्ज, मुख्यमंत्री के

राजनीतिक सचिव नजीर अहमद, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सौम्या रेड्डी, क्षेत्रीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष मंजूनाथ गौड़ा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसंधान विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम.वी. राजीव गौड़ा और अन्य उपस्थित थे।



नीतीश कुमार के राज में बदल गया बिहार, अब किसी की आतंकित करने की हिम्मत नहीं : ललन सिंह

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और जनता दल यूनाइटेड के नेता राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने आज कहा कि, मोकामा के एक रक्षक नीतीश कुमार तो दूसरे अनंत सिंह हैं। नवंबर 2005 में नीतीश कुमार जी बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। तब क्या था बिहार में? यही मोकामा है जहां रेल से रात के 12 बजे उतरने के बाद लोग अपने घर जाने का साहस नहीं करते थे। अब ऐसा नहीं होता है। यह परिवर्तन नीतीश कुमार जी ने किया। ललन सिंह ने यह बात मोकामा के मोर में आयोजित किए गए एनडीए के कार्यक्रमों सम्मेलन में कही।

ललन सिंह ने कहा कि, बिहार में कहीं सड़क नहीं थी, गड्ढे थे। नीतीश कुमार ने सभी जगह सड़कें बनवाईं। बिहार में किसी

भी कोने से मोकामा आईए, पांच घंटे से अधिक समय आपको नहीं लगेगा। कल ही हम आए। पूर्णिया में प्रधानमंत्री जी की रैली थी। रैली खत्म होने के बाद हम सवा पांच बजे पूर्णिया से चले और साढ़े दस बजे पटना में अपने घर पहुंच गए। यह परिवर्तन आ गया है।

उन्होंने कहा कि, लालू जी के राज में क्या होता था। गाड़ी में पार्टी के लोग पीछे बैठते थे। बाईं और दाईं ओर के शीशे उतारकर दो राइफल लिए लोग बाएं और दाहिने ओर बैठते थे। वे स्कार्पियों में जाते थे और लोगों को आतंकित करते हुए चलते थे। नीतीश कुमार के राज में किसी माई के लाल में ताकत है बोलेरो और स्कार्पियो की शीशा उतारकर राइफल निकालकर चलेगा।



किसी में यह ताकत नहीं है कि यह साहस करेगा। जो यह साहस करेगा वह जेल जाएगा।” उन्होंने कहा कि "पहले बिजली में देश की सुरक्षा मजबूत है। प्रधानमंत्री ने देश का मान, सम्मान और स्वाभिमान जो दुनिया में बढ़ाया है, वह इतिहास बना है। पहले देश के प्रधानमंत्री किसी देश में जाते थे तो वहां के प्रधानमंत्री के सामने सिर झुकाकर

बात करते थे। आज नरेंद्र मोदी किसी देश में जाते हैं तो वहां के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से आंख से आंख मिलाकर बात करते हैं। यह वही आदमी कर सकता है जिसमें आत्मबल है, जिसने यह संकल्प लिया हो कि हम देश को आत्मनिर्भर भारत बनाएंगे। हम देश को विकसित भारत बनाएंगे। सिंह ने कहा कि, आज हमारा देश आत्मनिर्भर हुआ है। जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे तब देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें स्थान पर थी। मोदी जी के 11 वर्ष के कार्यकाल में यह 11वें से पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। मोदी जी ने कहा है कि अगले पांच साल में हम पांच नंबर से तीन नंबर पर पहुंच जाएंगे। आज पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं गिर रही हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था

तेज रफ्तार से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि, मोदी जी के मंत्रिमंडल ने मोकामा से मुगेर तक साढ़े चार हजार करोड़ की फोर लेन सड़क स्वीकृत की है। पटना से मोकामा सवा घंटे में पहुंच जाते हैं, यह नरेंद्र मोदी जी की सरकार की देन है। अभी उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर कितना ही दबाव हो हम देश के किसानों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे।

मोकामा विधानसभा क्षेत्र के मोर में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के इस कार्यक्रमों सम्मेलन में शाहनवाज हुसैन,अशोक चौधरी और अनंत सिंह मंच पर मौजूद थे। सम्मेलन में मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह का स्वागत किया गया। सम्मेलन में उनके दोनों बेटे भी मौजूद थे।

कुलगाम के काजीगुंड में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी पुराना आतंकी ठिकाना बरामद



श्रीनगर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीगुंड इलाके में स्थित चुराट गांव में सुरक्षाबलों ने एक पुराना आतंकी ठिकाना बरामद किया है। यह कार्रवाई मंगलवार को की गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी कि खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम ने चुराट गांव में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान गांव में एक पुराना छिपा हुआ आतंकी ठिकाना मिला। अधिकारी ने बताया कि ठिकाने को मौके पर ही ध्वस्त कर दिया गया, जबकि इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आसपास कोई और संदिग्ध गतिविधि न हो। दक्षिण कश्मीर के इलाकों में सुरक्षाबलों द्वारा लगातार तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि शांति व्यवस्था को बनाए रखा जा सके और किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

बारिश-बाढ़ से दालों की 94 फीसदी खेती बर्बाद, बाहरी राज्यों से पूरी होगी प्रदेश की मांग

जम्मू, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बारिश और बाढ़ से प्रदेश में दालों की 94 फीसदी फसल बर्बाद हुई है। इस बार प्रदेश की मांग पूरी करने के लिए पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों पर निर्भर रहना पड़ेगा। प्रदेश में 26755 मीट्रिक टन दालों की पैदावार होती है। इसमें पांच फीसदी उत्पादन जम्मू संभाग तो दस फीसदी कश्मीर में होता है। बारिश के कारण जम्मू संभाग में ज्यादा नुकसान हुआ है।



कृषि विभाग ने अपनी रिपोर्ट राज्य आपदा प्रबंधन बल (एसडीआरएफ) को सौंप दी है। सबसे ज्यादा नुकसान जम्मू, सांबा, कठुआ, उधमपुर सहित अन्य जिलों में हुआ है। कृषि विभाग के अनुसार प्रदेश में 32070 हेक्टेयर में दालों की खेती होती है। इसमें 30 हजार हेक्टेयर बर्बाद हो गई है। इस बार मात्र 1605.3 टन पैदावार के आसार हैं। इससे किसान मुश्किल से अपनी ही जरूरत पूरी कर सकेंगे। बाकी खपत के लिए बाहर से दालें मंगवानी पड़ेंगी। बता दें कि प्रदेश में मूंग, काले माह, काले चने, मसर, काले मसर की बिजाई की जाती है।

में 98,916 हेक्टेयर में खेती की गई थी। इसमें से 90 हजार हेक्टेयर में बर्बाद हो गई है। इससे इसकी मांग भी बाहरी राज्यों से पूरी करनी होगी। फसल बर्बाद होने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने सरकार से उचित मुआवजा देने की मांग की है।

ट्रेडर्स फेडरेशन ऑफ वेयरहाउस के अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में करीब 40 टन दालों की रोज आपूर्ति होती है। इस बार दालों की फसल बर्बाद होने से ज्यादातर बाहरी राज्यों से मांग पूरी करनी पड़ेगी। कनक मंडी में दालों के थोक व्यापारी आशू ने बताया कि पड़ोसी राज्यों से दालें मंगवाकर प्रदेश की मांग पूरी करनी पड़ेगी।

बिहार में राजद और कांग्रेस के बीच गठबंधन की संभावना नहीं: गिरिराज सिंह

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कहा कि इस बार हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन सेवा सप्ताह के रूप में नहीं, बल्कि 'सेवा पखवाड़ा' के रूप में मनाएंगे। इस दौरान उन्होंने यह दावा किया कि बिहार में राजद और कांग्रेस के बीच किसी भी प्रकार के गठबंधन की संभावना नहीं है।



गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन बिहार में आज से नहीं, कई सालों से मनाया जा रहा है। हम लोग उनका जन्मदिन बहुत ही धूमधाम से मनाते हैं। उनके जन्मदिन को मनाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही हमें स्वीकार्य नहीं है। इस बार प्रधानमंत्री के जन्मदिन के मौके पर कई कार्यक्रमों का आयोजन

किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस खास मौके पर हम लोग गरीबों के बीच में जाकर सेवा करेंगे। 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत पौधरोपण करेंगे। हम 'ब्लड डोनेशन कैंप' का भी आयोजन करेंगे। हम लोग स्वच्छता का भी काम करेंगे। हम

किया कि तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी के लिए सब कुछ कर दिया, लेकिन स्थिति देखिए कि राहुल गांधी ने एक बार भी तेजस्वी यादव का नाम लेना जरूरी नहीं समझा। आज तेजस्वी यादव की हालत किसी से छुपी नहीं है। मैं तो कहता हूँ कि इन दोनों ही नेताओं की स्थिति अप्रासंगिक होती जा रही है। दोनों ही नेताओं के बीच छछा पंजा की स्थिति बनी हुई है। दोनों के बीच किसी भी प्रकार के गठबंधन की संभावनाएं नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में 1971 से घुसपैठियों को शरण दी जा रही है, जिसे अब मौजूदा समय में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। मैं समझता हूँ कि घुसपैठियों को न किसी विशेष राज्य, बल्कि देश के किसी भी कोने में बंदीस्त

नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित तौर पर इन सभी लोगों की पहचान होनी चाहिए और इन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। गिरिराज सिंह ने 'बंगाल फाइल्स' का भी जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा समय में पश्चिम बंगाल की स्थिति बहुत ही खराब है। यह राज्य अब गजवा-ए-हिंद की राह पर चल पड़ा है। वहां आज हिंदू प्रताड़ित हो रहे हैं। ममता बनर्जी के राज में हिंदुओं का जीना मुहाल हो चुका है, लेकिन ये लोग ऐसे नेताओं को बचाने के लिए वोट चोरी का शिगूफा छोड़ रहे हैं। मैं एक बात कह देना चाहता हूँ कि जब हमारी सरकार बनेगी तो किसी भी बांग्लादेशी नागरिक को बख्शा नहीं जाएगा। सभी को चिन्हित कर देश की सीमा से बाहर खदेड़ा जाएगा।

व्यापारियों ने उठाई सिंगल विंडो सिस्टम की मांग एक एनओसी खत्म, दूसरी की शुरुआत नहीं

श्रीनगर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार द्वारा व्यापार सुगमता पर जोर दिए जाने के बावजूद जम्मू-कश्मीर में उद्यमियों को नौकरशाही संबंधी देरी और जटिल प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ रहा है। व्यावसायिक संचालन के लिए अनुमोदन में कई महीने लग जाते हैं। होटल व्यवसायियों को विभिन्न विभागों से कई एनओसी लेनी होती है लेकिन एक एनओसी प्राप्त होने तक दूसरी समाप्त हो जाती है।

ऐसे में प्रक्रियात्मक बाधाओं का एक लंबी श्रृंखला बन जाती है। हमारा अनुरोध है कि सिंगल विंडो सिस्टम का पालन मजबूती से कराया जाए।यह बातें कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) के प्रतिनिधिमंडल



ने सोमवार को संसदीय स्थायी समिति के साथ बैठक के दौरान कही। चैंबर की तरफ से वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशिक हुसैन शांगलू और संयुक्त महासचिव उमर नजीर तिब्बत बकल ने ज्ञापन भी सौंपा।

बैठक की अध्यक्षता संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्ष डोला सेन कर रही थीं। उनके साथ संसद सदस्य रेणुका चौधरी, अवस्थी रमेश, यूसुफ पठान, डॉ.

शिव पाल सिंह पटेल, सदानंद म्हालू शेट तनावड़े, संतोष पांडे, प्रसून बनर्जी और डॉ. प्रशांत यादोराव पडोले सहित कई अन्य सांसद मौजूद रहे।

केसीसीआई के पदाधिकारियों ने बताया कि दशकों में पहली बार जम्मू-कश्मीर में कोई औद्योगिक प्रोत्साहन योजना लागू नहीं है। 28,400 करोड़ की नई केंद्रीय क्षेत्र योजना सितंबर 2024 तक समाप्त हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने अतिरिक्त 75,000 करोड़ की मांग की है। केसीसीआई ने कहा कि समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए नई योजना में स्थानीय उद्यमियों के लिए न्यूनतम 25 प्रतिशत कोटा आरक्षित होना चाहिए।

केसीसीआई ने एक लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना और अतिरिक्त पार्सल ट्रेन चलाने की सिफारिश की। खासकर फलों की कटाई और सर्दियों के महीनों में चैंबर के पदाधिकारियों ने बताया कि लॉजिस्टिक्स पार्क और वेयर हाउसिंग केंद्र का अभाव व्यापार को लगातार नुकसान पहुंचा रहा है।

बताया कि अधिमान्य खरीद नीति के अस्तित्व में होने के बावजूद, इसके कमजोर कार्यान्वयन ने स्थानीय निर्माताओं

को व्यापारियों के पक्ष में अनुबंधों से वंचित कर दिया है। औद्योगिक आधार की रक्षा के लिए स्थानीय इकाइयों को प्राथमिकता देने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने कम या गलत सिबिल स्कोर के कारण उद्यमियों को ऋण न दिए जाने पर भी चिंता जताई। आरबीआई और बैंकों से जम्मू-कश्मीर के लिए एक रियायती ढांचा बनाने का आग्रह किया, जिससे ऋण की पहुंच और भी बेहतर हो।

केसीसीआई ने वैश्विक व्यापार मेंलों में आईटी स्टार्टअप की भागीदारी और आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों में कश्मीरी उद्यमियों को शामिल करने की सिफारिश की। ताकि उन्हें वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने में मदद मिल सके।

मांझी का तेजस्वी पर तंज राहुल गांधी ने सीएम फेस नहीं बनाया तो अकेले निकल पड़े

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जीवन राम मांझी ने तेजस्वी यादव के बयान का जवाब देते हुए कहा कि महागठबंधन के नेता बिना किसी ठोस आधार के बयानबाजी कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा था कि 'बीजेपी के दो गुजराती नेत-1ओं ने नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया है।'



गयाजी: केंद्रीय मंत्री जीवन राम मांझी ने तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार किया। तेजस्वी ने कहा था कि 'बीजेपी के दो गुजराती नेताओं ने नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया है,' जिस पर मांझी ने कहा कि महागठबंधन के नेता गलत बयानबाजी करते हैं और उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा है।गया में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंगलवार को जीवन

राम मांझी ने कहा कि महागठबंधन ने राहुल गांधी के हाथों में सब कुछ बेच दिया है, और जब राहुल गांधी ने उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं बनाया, तो तेजस्वी यादव अकेले यात्रा पर निकल पड़े। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई ठोस तर्क नहीं है। इसके विपरीत, उन्होंने पूर्णिया में हुए विकास कार्यों का हवाला देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में 40 हजार करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ है, जिससे विकास की गति तेज हुई है।मांझी ने यह

भी घोषणा की कि पहली बार गया के बोधगया में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय का एक बड़ा महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में पूरे बिहार से लोग जुटेंगे और उन्हें 'पीएम विश्वकर्म' योजना के तहत टूलकिट और आर्थिक सहायता दी जाएगी। मांझी ने बताया कि यह आयोजन 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर शुरू किया जाएगा। मांझी ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे 100 वर्ष तक जिएं। उन्होंने मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि जब से उन्होंने अपनी मां के अंतिम संस्कार में कंधा दिया, तब से उन्होंने एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली।

चिराग पासवान ने सीएम पद को लेकर तोड़ी चुप्पी, कहा- किसी के कहने से कुछ नहीं होता है, सबकी सहमति जरूरी

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद किसी एक पार्टी के कहने से तय नहीं होता, बल्कि इसके लिए पूरे गठबंधन की

सहमति जरूरी होती है। चिराग पासवान ने एक निजी टीवी चैनल के लिए इंटरव्यू में स्पष्ट किया कि 2025 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं।

उन्होंने कहा कि इस पद के लिए कोई 'वैकेंसी' नहीं है, और सभी



सहयोगी दल नीतीश कुमार के नाम पर सहमत हैं। चिराग पासवान ने यह बयान अपने उन समर्थकों और कार्यकर्ताओं के जवाब में दिया है, जो उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में पेश कर रहे हैं और रैलियों में 'हमारा सीएम कैसा हो, चिराग पासवान जैसा हो' जैसे नारे लगा रहे

हैं। उन्होंने कहा कि जब वह एनडीए में वापस आए थे, तभी यह तय हो गया था कि चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। चिराग पासवान ने यह भी कहा कि फिलहाल उनकी मुख्यमंत्री बनने की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने बताया कि उनका मुख्य ध्यान 'बिहार फर्स्ट,

बिहारी फर्स्ट' अभियान पर है, जिसका लक्ष्य बिहार को जल्द से जल्द एक विकसित राज्य बनाना है। इससे पहले एनडीए में मुख्यमंत्री पद को लोचन आर के कई सांसदों और कई नेताओं की ओर से चिराग पासवान के सीएम फेस बताने की कोशिश की गई।

देहरादून में बादल फटा

मुरादाबाद के सात मजदूरों की मौत

कई लोग अभी भी लापता, मौके पर पहुंचे परिजन

मुरादाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के देहरादून में बादल फटने के बाद बाढ़ की चपेट में आने से मुरादाबाद मंडल के दर्जनभर मजदूर बह गए। हादसे में बिलारी तहसील के मुंडिया जैन गांव के छह मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अब भी लापता हैं। अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र के रहरा गांव के तीन मजदूर भी नदी में लापता हो गईं। उनमें से एक का शव बरामद कर लिया गया है।

मुरादाबाद जिले की तहसील बिलारी के थाना सोनकपुर क्षेत्र के मुंडिया जैन गांव निवासी लाभग 20 मजदूर कुछ दिन पहले देहरादून के सहसपुर



विधानसभा क्षेत्र में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार तड़के मजदूर नदी किनारे

बजरी और रेत निकालने का काम कर रहे थे।

तभी सहस्रधारा क्षेत्र में बादल फटने से टॉस नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया और तेज बहाव में ट्रैक्टर-ट्रॉली समेत मजदूर बह गए। हादसे में मदन (45), नरेश (48), हरचरन (60), सोमवती (55), रीना (31) और किरन (35) की डूबकर मौत हो गई। सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। इसके अलावा राजकुमार (21), होराम (32) और सुंदरी (42) का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इसी तरह अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र के रहरा और आसपास के गांवों के 11 मजदूर भी देहरादून के बाजावाला गांव में मजदूरी करने गए

थे। मंगलवार को बादल फटने से रिस्पना नदी का जलस्तर बढ़ गया। इस दौरान रहरा निवासी पुष्पेंद्र (20), पीतम (22) और पंकज (27) पानी के तेज बहाव में बह गए। पंकज का शव बरामद कर लिया गया है। पुष्पेंद्र और पीतम का अब तक कोई सुराग नहीं लगा है।

हादसे की खबर मिलते ही मुंडिया जैन और रहरा गांवों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी गांव पहुंचकर पीड़ित परिवारों को सांत्वना दे रहे हैं। उधर, सभी परिजन देहरादून रवाना हो गए हैं।

विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी समाजवादी पार्टी

उम्मीदवारों के चयन के लिए अपनाएंगी सर्वे वाला फॉर्मूला



लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को शुरू कर दिया गया है। तमाम राजनीतिक दल इसकी तैयारियों में जुट गए हैं। उम्मीदवार की घोषणा के दौरान होने वाली मारामारी से सभी राजनीतिक दल परेशान रहते हैं। इसको लेकर टिकट के दावेदारों को संतुष्ट कर पाना आसान नहीं होता है। हालांकि, इस प्रकार की स्थिति से निपटने की रणनीति पर भी काम शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी ने यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर उम्मीदवारों के चयन को लेकर एक प्राइवेट एजेंसी की मदद लेने की योजना बनाई है।

समाजवादी पार्टी ने यूपी विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार तय करने से पहले एक बड़ा इंटरनल सर्वे कराने की तैयारी की है। इसके लिए निजी प्रोफेशनल कंपनी को जिम्मा दिया गया है। इस सर्वे के आधार पर जिताऊ उम्मीदवारों की तलाश की जाएगी। सपा ने अपने लोगों को इस संबंध में संदेश देना शुरू कर दिया है। सर्वे का काम जनवरी 2026 में होगा। सर्वे का आधार पीडीए वोट बैंक को टारगेट करना होने की बात सामने आ रही है। सर्वे में हर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के

जनाधार का आकलन करना होगा।

विधानसभा क्षेत्र में किस उम्मीदवार को उतारने से पार्टी को जीत मिल सकती है या पार्टी-गठबंधन फायदे में रह सकती है। सर्वे में इसका भी आकलन होगा। सर्वे की कसौटी पर जीत की संभावना भी देखी जाएगी। जीतने की संभावना वाले टिकट के दावेदारों का दावा भी मजबूत होगा। सर्वे के जरिए यह भी पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा के मुकाबले किन सीटों पर जीतने की स्थिति में होगा।

समाजवादी पार्टी के हिसाब से गठबंधन करीब 107 विधानसभा सीटों पर भाजपा के मुकाबले काफी कमजोर है। गठबंधन कमजोर पक्ष को दुरुस्त करने के लिए सबसे अधिक जोर देने की तैयारी में है। इन सीटों पर भाजपा का मजबूत जनाधार माना जा रहा है। ऐसे में प्राइवेट एजेंसी वहां समाजवादी पार्टी की जीत के फैक्टर तलाश करेगी।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभी साफ कर दिया कि हर हाल में यूपी चुनाव 2017 के दौरान सपा-कांग्रेस गठबंधन बना रहेगा। दोनों दल लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी मिलकर लड़ेंगे।

ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंस कर नाबालिग ने उड़ाए 14 लाख, दी जान

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

शहर में ऑनलाइन गेम फ्री फायर खेलकर पिता के 14 लाख रुपये हारने के बाद 13 वर्ष के मासूम यश को जान देने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह ऑनलाइन गेम के मकड़जाल में उलझ चुका था। जीत के लालच में या फिर हारी हुई रकम वापसी के लिए वह मात्र डेढ़ महीने में ही भारी-भरकम रकम हार गया। उसके घरवाले बताते हैं कि वह कुछ दिन से किसी से ठीक से बात नहीं कर रहा था।

उसके बदले हुए हावभाव को पहचान नहीं सके कि कोई बात उसे परेशान कर रही है। किसान



पिता सुरेश व मां विमला को मलाल है कि बेटे ने एक बार उनसे अपनी परेशानी नहीं बताई। यश की मौत से दोनों सुधबुध खो बैठे हैं।

सुरेश एक ही रट लगाए हैं कि पैसे तो आ जाते, लेकिन बेटा लौटकर नहीं आएगा। यश ने उन्हें पैसे हारने की बात बताई होती

वह उससे नाराज नहीं होते। घरवाले बताते हैं कि यश फ्री फायर गेम का लती हो गया था। स्कूल से लौटते ही मोबाइल फोन लेकर बैठ जाता था। सुरेश ने बताया कि सोमवार को जरूरत पड़ने पर वह 20 हजार रुपये निकालने बैंक गए थे। खाते में रकम न होने की जानकारी हुई। उनकी शिकायत पर मैनेजर ने स्टेटमेंट निकाला।

इसमें पता चला कि पूरी रकम फ्री फायर गेम खेलने के दौरान खर्च की गई है। इससे पहले कि सुरेश यश से इस बारे में पूछताछ करते, उसने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुरेश ने आगे बताया कि घर में एक ही

मोबाइल फोन है। फोन नंबर से उनका बैंक खाता लिंक है। यश ने उसी फोन में फ्री फायर डाउनलोड किया और गेम खेलने लगा। लालच में वह रकम लगाता गया और पूरा खाता खाली कर दिया। सुरेश का मोबाइल फोन सोमवार रात 9.00 बजे के बाद अचानक री-सेट हो गया। गैलरी, कॉल लॉग, मैसेज, फेसबुक, फ्री फायर गेम के अलावा सभी सोशल मीडिया अकाउंट अपने आप डिलीट हो गए। घरवालों को इसकी जानकारी करीब 10 बजे हुई। माना जा रहा है कि आत्महत्या से पहले यश ने फोन को री-सेट किया था।

चीनी मिल में खड़े टैंकर में मिले दो युवकों के शव सैकड़ों ग्रामीणों का हंगामा, ये मामला आ रहा सामने

बिजनौर, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

शुगर मिल के बायो वेस्टेज प्लांट में खड़े टैंकर में मंगलवार शाम गांव पल्लावाला निवासी सलमान (28) और गांव सरकड़ा निवासी मुकेश (25) के शव पड़े मिले। सूचना पर परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और शव नहीं उठने दिए। उधर, पुलिस ने टैंकर की सफाई करते हुए गैस से मौत होने की आशंका जताई है।

मुकेश पुत्र कैलाश सिंह शुगर मिल में टैंकर ले जाने वाले ट्रैक्टर पर चालक था। उसका पास में ही स्थित गांव पल्लावाला के सलमान पुत्र महबूब से मेलजोल



था। सलमान कबाड़ की फेरी करता था। भाई अरमान ने बताया कि सलमान मंगलवार दोपहर घर से धामपुर जाने के लिए निकला था। उसके बाद उन्हें उसका शव पड़ा होने की सूचना मिली।

पता लगते ही भारी संख्या में दोनों गांवों के ग्रामीण पहुंच गए। उन्होंने हत्या कर दोनों के शव टैंकर में डाले जाने का आरोप

लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मुकेश के परिजनों का कहना है कि वह सुबह करीब आठ बजे काम पर गया था। पुलिस ने दोनों के शवों को टैंकर से बाहर निकलवाया। देर शाम तक ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए शव नहीं उठने दिए।

एसपी पूर्वी एके श्रीवास्तव और सीओ अभय कुमार पांडे

मौके पर पहुंचे। उधर, थाना धामपुर पुलिस की ओर से जारी प्रेसनोट में बताया गया कि मंगलवार शाम करीब पांच बजे शुगर मिल धामपुर के एचआर मैनेजर विजय गुप्ता ने बायो वेस्टेज प्लांट टैंकर में दो व्यक्तियों की मौत होने की सूचना दी। मुकेश टैंकर में धामपुर शुगर मिल की केमिकल यूनिट से बायो कंपोस्ट लेकर वेस्टेज प्लांट में आया था।

मृतकों के शरीर पर चोट के निशान नहीं हैं। प्रथम दृष्ट्या वेस्टेज टैंकर की सफाई के दौरान बनी गैस में दम घुटने से दोनों की मौत होना प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सही कारणों का पता चल पाएगा।

एससी के आदेश पर कोर्ट जाएगी योगी सरकार

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश 'शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता' पर बेसिक शिक्षा विभाग को रिवीजन

दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यूपी के शिक्षक अनुभवी हैं। समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को



नजरअंदाज करना उचित नहीं है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने सीएम के इस निर्णय का स्वागत किया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री का निर्णय स्वागत योग्य एवं शिक्षक हित में है। उन्होंने अनुरोध किया है कि विभाग द्वारा रिवीजन में जाने से पूर्व एनसीटीई द्वारा यह भी स्पष्ट कराया जाए कि आरटीई-2009 के सेक्शन-23(2) का संशोधन आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों पर लागू नहीं होता है।

लम्पी वायरस प्रभावित 7 जिलों में पूरी तरह पशु लॉकडाउन लागू

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया है कि लम्पी प्रभावित पूरब के सात जिलों में पशु लॉक डाउन कर दिया गया है। बिहार से और

एक से दूसरे जिले में कोई पशु न आएगा न जाएगा। इन सात जिलों के साथ ही कुल 11 जिलों चंदौली, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, बस्ती, मऊ, सिद्धार्थनगर व महाराजगंज में भी



विशेष निगरानी शुरू कर दी गई है। प्रमुख सचिव, विशेष सचिव आदि अधिकारियों की टीम तैनात की गई है। किसी भी तरह की सूचना व जानकारी देने के लिए टोल फ्री नंबर जारी किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह पशुओं में छुआछूत से फैलता है। मक्खी से भी यह एक से दूसरे में फैलता है। इससे मनुष्य प्रभावित नहीं होता है। इसके लिए टीकाकरण भी शुरू कर दिया गया है। टीके की कोई कमी नहीं है। मंत्री ने बताया कि इस दौरान इन जिलों में कोई पशु मेला नहीं लगेगा।

दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को वकीलों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा



वाराणसी, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

जिले में अधिवक्ताओं द्वारा पुलिस की पिटाई का मामला सामने आया है। यहां मंगलवार को कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं ने बड़ागांव थाने पर तैनात दरोगा मिथिलेश समेत चार पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर बेरहमी से पीटा। मामले को लेकर मौके पर हड़कंप मच गया। गंभीर हालत में दरोगा को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को बड़ागांव थाने में जमीन के प्रकरण में विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर मंगलवार को भी दरोगा और अधिवक्ताओं के बीच विवाद हुआ। मामला बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गया। घटनास्थल पर डीएम सत्येंद्र कुमार और अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरि मिश्रा बार के पदाधिकारियों के साथ वार्ता कर रहे हैं। पूरी कचहरी को छावनी में तब्दील किया गया है। कमिश्नर की पांच थानों की फोर्स मौके पर तैनात है।

पुनर्वास विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह आयोजित

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह अटल प्रेक्षागृह में मंगलवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की कुलपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। इस मौके पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संजय सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत कर की। इस दौरान कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, दिव्यांगजन एस. गोविन्द-राज, दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि दीक्षांत में कुल 166 पदक दिए गए। इनमें 81 स्वर्ण पदक (छात्राएं 45.68 फीसदी और



छात्र 54.32 फीसदी) 43 रजत पदक (छात्राएं 53.49 फीसदी व छात्र 46.51 फीसदी) व 42 कांस्य पदक (छात्राएं 61.90 फीसदी और छात्र 38.10 फीसदी) हैं। कुल 2113 विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी। इनमें 962 छात्राएं व 1151 छात्र हैं। कुलपति संजय सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दो

नए संकाय, भेषज विज्ञान संकाय (फैकेल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज) व अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय (फैकेल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) और संस्कृत विभाग व योग विभाग सहित कुल 10 संकाय और 35 विभाग हैं। यहां एक वर्ष में 14 नीतियां यथा खेल नीति-2024 (स्पोर्ट्स पॉलिसी), छात्रावास नीति 2024 (हॉस्टल पॉलिसी), यूजी, पीजी व

पीएचडी नियमावली-2024 फैकल्टी बोर्ड रेगुलेशन-2024, छात्र आचरण एवं अनुशासन नियमावली बनाई गई है। कुलपति ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2025-26 से चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम लागू कर दिया गया है, जिससे हमारे प्रोग्राम एवं कोर्सेज में भी बढ़ोतरी हुई है। अब विश्वविद्यालय में मूल्यांकित उत्तर-पुस्तिकाएं विद्यार्थियों को

परीक्षा परिणाम घोषित होने से पहले दिखाई जाती हैं। इससे चुनौती मूल्यांकन में काफी कमी आयी है और परीक्षा परिणाम भी शीघ्र घोषित हो जा रहे हैं। कुलपति ने बताया कि इंडेक्स रैंकिंग 2025 में 162वां स्थान व ओवरऑल रिसर्च आउटपुट में दूसरा स्थान प्राप्त किया। रसायन विज्ञान श्रेणी में देश में विश्वविद्यालय को 139वां एवं बायोलांजिकन साइंस में 59वां स्थान मिला है। कुलपति ने कहा कि शैक्षणिक शोध एवं नवाचार को गति देने के लिए पुस्तकालय नियमावली 2025 बनाई गई है। कुलपति ने बताया दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ब्रेल पुस्तकों के साथ टॉकिंग बुक स्टूडियो के माध्यम से पुस्तकें और पाठ्य सामग्री, उपलब्ध करायी जा रही है। वर्तमान में 164757 ब्रेल पृष्ठ मुद्रित हुए हैं।

मछली मंडी पर गिरा विशालकाय पीपल का पेड़, नीचे दबकर एक की मौत

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

कैसरबाग में मंगलवार को मछली मंडी पर पीपल का पेड़ गिर पड़ा। घटना से वहां हड़कंप मच गया। पेड़ के नीचे दुकान में बैठे पांच लोग दब गए। पुलिसकर्मियों ने दमकलकर्मियों के साथ मिलकर घायलों को निकाला। मगर इनमें से एक की मौत हो गई। मछली मंडी में लाला सोनकर परिवार के साथ रहते हैं। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे लाल के मकान में लगा भारी भरकम पीपल का पेड़ मछली मंडी पर गिर पड़ा। मंडी में जानकीपुरम निवासी रामू व अन्य चार लोग भाग न सके और पेड़ के नीचे दब गए। घटना की जानकारी दमकल और पुलिस को दी गई। लोगों ने



घायलों को निकालने की कोशिश की। इस बीच पहुंचे दमकलकर्मियों ने सभी को बाहर निकाल लिया। हादसे में रामू की मौत हो गई। अन्य घायलों की पहचान की जा रही है। मामले की जानकारी पर उप मुख्यमंत्री बुजेश पाठक मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। वहीं, कुछ देर बार महापौर सुषमा खर्कवाल भी पहुंचीं। मौके पर पुलिसकर्मी मौजूद हैं और पेड़ हटाने का प्रयास किया जा रहा

है। उप मुख्यमंत्री ने घायलों का बलरामपुर अस्पताल में हालचाल लिया। कैसरबाग हादसे में त्रिवेणी नगर के राम चरन के बेटे रामू (60) को मृत अवस्था में बलरामपुर इमरजेंसी में लाया गया था। डॉक्टरों ने जांच पड़ताल के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया है। वहीं, रिजवान (22), शोएब (22), अभिषेक (32) व मो. अरमान (30) अस्पताल में भर्ती हैं। खतरे से बाहर हैं।

शुभ लाभ

कलकत्ता-कलकत्ता

बुधवार,17 सितंबर, 2025

बेंगलूरू

सम्पादकीय

7

संपादकीय

घुसपैठियों को कौन खदेड़ेगा

2016 में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद को बताया था कि भारत में लगभग 2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। यह ऑस्ट्रेलिया की पूरी आबादी के बराबर है। 2004 में तत्कालीन यूपीए सरकार के गृह राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने खुलासा किया था कि देश के 17 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में कुल 1 करोड़ 20 लाख 53,950 अवैध बांग्लादेशी प्रवासी मौजूद हैं। ये आंकड़े सिर्फ बांग्लादेशी घुसपैठियों के थे, जबकि म्यांमार, नेपाल और अन्य देशों से भी अवैध तरीके से लोग भारत में घुसते रहे हैं। अब 2025 में ये तमाम आंकड़े काफी ज्यादा बढ़ चुके होंगे। बुनियादी आंकड़ा 2 करोड़ भी मान लेते हैं, तो उस अनुपात में घुसपैठियों को देश के बाहर खदेड़ा क्यों नहीं जा रहा है? यदि उनके भी मानवाधिकार की चिंता करें, तो 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद, औसतन हर साल, घुसपैठियों को उनके मूल देश भेजने का आंकड़ा बेहद कम है। गति बेहद धीमी है। दरअसल हम न तो यूपीए की मनमोहन सरकार की कार्रवाई से तुलना के पक्षधर हैं और न ही अमरीका, ब्रिटेन और यूरोप के अवैध प्रवासियों को देश के बाहर करने के अभियानों को उदाहरण मानते हैं।

यदि प्रधानमंत्री मोदी 'स्वतंत्रता दिवस' पर लालकिले की प्राचीर से 'राष्ट्रीय डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा करते हैं और असम, बंगाल, बिहार की जनसभाओं में घुसपैठ के लिए कांग्रेस को ही कोसते हैं, कांग्रेस को 'घुसपैठियों की रक्षक' करार देते हैं, तो यह घुसपैठ का कोई तार्किक समाधान नहीं है। यह विशुद्ध राजनीति है। प्रधानमंत्री 'राष्ट्रवाद बनाम घुसपैठिए' के जरिए हिंदू-मुसलमान की सियासत कर धुवीकरण को तेज करना चाहते हैं। असम और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होने हैं। बिहार में तो दो माह में ही चुनाव संपन्न हो जाएंगे। लिहाजा घुसपैठियों के खिलाफ हुंकारें समझ में आती हैं। बेशक देश के सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकी संतुलन कई जगह बिगड़ चुका है। कई जगह मुसलमान बहुमत में आ चुके हैं और हिंदू अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं। असम में 50 लाख से अधिक और बंगाल में 57 लाख से अधिक बांग्लादेशी और रोहिंया घुसपैठियों के कारण ये समीकरण बदल रहे हैं। नतीजतन सांप्रदायिक दंगों के हालात भी बनते रहे हैं। बंगाल के मुर्शिदाबाद और मालदा में जो हिंदू-विरोधी उत्पात मचाए गए, हिंसक प्रहार किए गए, घर उड़ा दिए गए, उस परिदृश्य पर कलकत्ता उच्च न्यायालय का फैसला पड़ा जा सकता है। खयाल है कि सरकार ने असम में एनआरसी की जो कयावद की थी, उसके नतीजों का क्या हुआ? वह प्रक्रिया अचानक रोक क्यों दी गई? प्रधानमंत्री मोदी इस जनसांख्यिकी परिवर्तन को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संवेदनशील खतरा मानते हैं। हमारे युवाओं के हिस्से के संसाधन और रोजगार छिन रहे हैं। महिलाओं की इज्जत के साथ छल-कपट, खिलवाड़ किए जा रहे हैं। यकीनन यह विकराल राष्ट्रीय समस्या लगती है, लिहाजा यह प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की प्राथमिकचिंता, बुनियादी सरोकार होना चाहिए। इसमें आम आदमी क्या कर सकता है? आम आदमी आबादी के असंतुलन और बहुमत को नहीं रोक सकता। सरकार किसलिए होती? प्रधानमंत्री के पास तमाम एजेंसियां, सूचनाएं, पुलिस, सुरक्षा बल, संसाधन सभी कुछ उपलब्ध है, लेकिन फिर भी प्रधानमंत्री देश की जनता को यह जानकारी नहीं देते कि उनके 11 साला कार्यकाल में घुसपैठियों को खदेड़ने की सालाना संख्या 51 तक सिमट कर क्यों रह गई? 300-400 का आंकड़ा भी नाकाफी है। हम प्रधानमंत्री से विपक्ष की मानिंद राजनीतिक सवाल नहीं कर रहे हैं। हम घुसपैठ के सतुर् पर बेहद संजोदा हैं। वे भारत के लोकतंत्र की तस्वीर और संतुलन भी बिगाड़ सकते हैं। प्रधानमंत्री देश को यह भी बताएं कि मिशन किस तरह काम करेगा? उसका नानाश्रय क्या होगा? उसकी अनुशंसाएं किन्तनी कानूनन होंगी, लिहाजा प्रभावशाली भी साबित होंगी? यदि ज्यादातर घुसपैठियों के पास सरकारी दस्तावेज हैं, तो उन्हें रद्द भी कैसे किया जा सकता है?

कृष्ण अलगा

राष्ट्रीयता क्या?

एक बार एक सियार का बच्चा जंगल में घूमते समय अपनी मां से बिछुड़ गया। शाम हुई तो भूख और डर के मारे वह रने लगा। उसी समय वहां से एक शेरनी जा रही थी। रोते बच्चे को देख वह उसे अपनी गुफा में ले आयी। उसे दूध पिलाया और अपने बच्चों के साथ-साथ उसका लालन-पालन भी करने लगी। थोड़े-थोरे वह सियार का बच्चा शेर के बच्चों से घुलमिल गया। वह भी उनके साथ दिन भर जंगल में घूमता, खेलता और रात में शेरनी का दूध पीकर सो जाता। वह सियार का बच्चा शेर के बच्चों से आयु में बड़ा था। एक दिन जंगल में घूमते हुए उन्हें एक हाथी दिखायी दिया। शेर के बच्चे बहुत खुश हुए। वे बोले आज बहुत दिनों बाद मोटा-ताजा शिकार मिला है, आओ इसे मार लो। यह देखकर सियार का बच्चा बोला अरे, क्या करते हो? देखते नहीं, यह हमसे शरीर में कितना बड़ा और बलवान है। यदि हमने इस पर हमला किया, तो यह हमें ही मार डालेगा। शेर के बच्चे नहीं माने, वे हाथी पर हमला करने की तैयारी करने लगे। यह देखकर सियार का बच्चा दौड़ता हुआ घर आया। उसने शेरनी को कहा मां, देखो मेरे छोटे भाई मोटा नहीं मानते। वे अपने से बहुत बड़े हाथी से लड़ रहे हैं। वह उन्हें मार डालेगा। शेरनी ने हंसकर कहा यह ठीक है कि तुम मेरा दूध पीकर बड़े हुए हो, पर तुम हो तो सियार ही। तुम्हारे वंश में कोई हाथी से नहीं लड़ता, पर हमारे यहां तो यह सामान्य सी बात है। इसलिए अच्छा यही है कि अब तुम अपने घर चले जाओ। ऐसा न हो कि मेरे बच्चे हाथी को मारने के बाद तुम पर ही हमला न बोल दें। इस कथा का अभिप्राय यह है कि यदि कोई व्यक्ति बाहर से आकर हमारे देश में रहने लगे, तो केवल इतने मात्र से ही वह भारत का राष्ट्रीय नहीं हो जाता।

दृष्टि

कोण

जब भारत 2047 तक विकसित देश बनने की आकांक्षा रखता है, ऐसे में एक मजबूत समुद्री प्रणाली विकसित किए बिना यह संभव नहीं हो सकता है। हाल के दिनों में इस क्षेत्र में कुछ विकास के बावजूद, लक्ष्य बहुत दूर है। स्वतंत्रता के बाद, हालांकि कुछ बंदरगाहों के नवीनीकरण, जहाज निर्माण और प्रमुख बंदरगाहों के आसपास बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कुछ प्रयास किए गए, फिर भी भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में पिछड़ा रहा। केवल बंदरगाहों के मामले में ही नहीं, जहाज निर्माण के मामले में भी हम अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से पिछड़ गए। जहाज वहन क्षमता की बात करें तो इसमें भी भारत का योगदान बहुत ही मामूली है। दिसंबर 2023 तक, वैश्विक जहाज स्वामित्व में भारत का हिस्सा केवल 1.2 फीसदी है, जबकि ग्रीस का 17.8, चीन का 12.8 और जापान का 10.8 फीसदी है। इसके अलावा दुनिया के केवल 0.77 फीसदी जहाज ही भारतीय ध्वज के तहत पंजीकृत हैं। भारत की समुद्री

बुधवार,17 सितंबर, 2025

बेंगलूरू

ललित गर्ग

“सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास” केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को नई दिशा देने वाला दर्शन है

नरेंद्र मोदी

नरेंद्र मोदी का उदय किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह भारत की जाग्रत वेतना और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इक्कीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तुत्व की जाग्रत वेतना और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इक्कीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तुत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची हैं, वे विश्व राजनीति, मानवता एवं राष्ट्रीयता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। राजनीति-क्रांति के साथ-साथ वे व्यक्ति-क्रांति एवं समाज-क्रांति के सूत्रधार हैं। उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करना उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाता है। उनके लिये तो इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय हैं। इस वर्ष उनका 75वां जन्मोत्सव मनाते हुए समूचा राष्ट्र अपूर्व गर्व और गौरव की अनुभूति कर रहा है। मोदी का व्यक्तित्व अनेक विलक्षणताओं का समवाय है, वह कठोर परिश्रम और मिशनरी दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण है। उनके दिन और रात का प्रत्येक क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित रहता है। वे चौबीस घंटे भारत के लिए जीते हैं और योजनाओं को केवल कागजों पर नहीं छोड़ते, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारते हैं। उनका मंत्र “सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास” केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को नई दिशा देने वाला दर्शन है। उन्होंने राजनीति को सत्ता की होड़ से निकालकर सेवा और राष्ट्रनिर्माण का साधन बना दिया। काल के अनंत प्रवाह में 75 वर्षों का मूल्य बहुत नाग्य्य होता है, पर मोदी ने उदरघ्यूर्ण जीवन जीकर जो कंचाइयां और उपलब्धियां हासिल की हैं, वे किसी कल्पना की उड़ान से भी अधिक हैं। अपने जीवन के सार्थक प्रयत्नों से उन्होंने इस बात को सिद्ध किया है कि साधारण पुरुष वातावरण से बनते हैं, किन्तु महामानव वातावरण बनाते हैं। समय और परिस्थितियां उनका निर्माण नहीं करती, वे स्वयं समय और परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। साधारण पुरुष जहां अवसर को खोजते रहते हैं, वहां महापुरुष नाग्य्य अवसरों को भी अपने कर्तुत्व की छेनी से तराश कर महा-बना देते हैं। नरेंद्र मोदी का जन्म एवं पालन-पोषण वडनगर, बॉम्बे राज्य (वर्तमान गुजरात) में 17 सितंबर 1950 को हुआ। जहां उन्होंने अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। आठ साल की उम्र में उनका आरएसएस से परिचय हुआ और वे 1971 में गुजरात में संगठन के पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए। और 1998 में महासचिव बने। वे भारतीय राजनीति के जुझारू, कर्मठ एवं

देश	दुनिया से
	

गाँधी मार्ग पर चलते नरेन्द्र मोदी

गाँधी के भारत को देखना हो या आज के मोदी के भारत को तो एक साम्य दोनों में मिलेगा वह है आत्मनिर्भरता। गाँधीजी ने हमेशा आत्मनिर्भर समाज और देश की कल्पना की है। गाँधीजी की आत्मनिर्भरता का अर्थ स्वदेशी हो जाना है। भारत की बुनियाद में स्वदेशी के रास्ते आत्मनिर्भरता परिष्पाषित है। यह तय है कि गाँधी जी ने जिस स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की चर्चा की थी और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए जो स्वप्न देखा था आज 75 साल के नरेन्द्र मोदी भी उसी गाँधी मार्ग पर चलते दिख रहे हैं। यह बात सच है कि 1947 के पहले का भारत और आज 2025 का भारत बदल चुका है। स्वदेशी तब भी जरूरत था और आत्मनिर्भरता का मार्ग वही था जिस पर चलने का आग्रह

नित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। थोड़ा पीछे पलटकर देखें तो आपको ज्ञात होगा कि गाँधीजी ने दशगोों का विरोध नहीं किया। वे मशीनीकरण के विरोधी थे आ उन मोदी के समय में वही आदर्श, वही गाँधी मार्ग का अनुसरण होते हुए देखा सकते हैं। जीवन के 75 वसंत देख चुके मोदी की विचारसम्पत्ति अलग हो सकती है लेकिन भारत की माटी में गढ़े गए आदर्श से भला कोई कैसे विरक्त हो सकता है। समय के साथ बदलाव जरूरी है तो उन आदर्शों का अनुगमन भी करना उतना ही जरूरी है, यह आप पन्ने पलट कर देखेंगे तो सही समझ जाएंगे। बदलते भारत में बहुत सारी चीजें समय के साथ सिमटती, मिटती जा रही हैं तो कुछ नए स्वरूप के साथ और भी प्रासंगिक हो गई हैं। खादी जो कभी स्वाधीन भारत की प्रतीक और अस्मिता का चिह्न था, उससे लोग धीरे धीरे दूर हो रहे थे। और इसी के साथ वनकर उद्योग पर संकट गहराता जा रहा था। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने संकट को समझा और खादी में क्रांति आ गई। डूबता-सिमटता खादी उद्योग बूम कर गया। मोदीजी ने इसे युवा से जोड़ दिया। खादी वस्त्रों की फैशन परेड होने लगी। युवाओं का खादी के प्रति क्रेज बढ़ गया और एक डूबता खादी उद्योग को ना केवल धड़कन मिली बल्कि वह चोगुनी पस्तर से आगे बढने लगा। खादी और स्वदेशी का यह नया रिस्ते की बात हम नहीं बाजार कह रहा है। वो बिक्री के आंकड़े कह रहे हैं कि खादी की गमक लौट आयी है। क्या आप इस बात से इंकार कर सकते हैं। गाँधी जी मशीनों का प्रयोग करने के विरोधी नहीं थे। वे हमेशा से इस बात की पैरवी करते रहे हैं कि बोझ और परिश्रम को



कम करने वाले यंत्रों की स्थापना की जाए। वे इस बात का प्रतिकार करते रहे हैं कि मानव उपयोगी श्रम को मशीनों के पास जाने दें। वह ऐसे उद्योग धन्धे स्थापित करने के पक्ष में थे, जिसमें कम करने के इक्षुक लोगों को न सिर्फ जीवन निर्वाह के लिए वेतन मिले अपितु स्वाभिमान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिले। उन्होंने गाँवों को भारतीय अर्थव्यवस्था की मूल समस्या मानते हुए उन्होंने लिखा- हमारी समस्या अलग हो सकती है लेकिन भारत की माटी में गढ़े गए आदर्श से भला कोई कैसे विरक्त हो सकता है। समय के साथ बदलाव जरूरी है तो उन आदर्शों का अनुगमन भी करना उतना ही जरूरी है, यह आप पन्ने पलट कर देखेंगे तो सही समझ जाएंगे। बदलते भारत में बहुत सारी चीजें समय के साथ सिमटती, मिटती जा रही हैं तो कुछ नए स्वरूप के साथ और भी प्रासंगिक हो गई हैं। खादी जो कभी स्वाधीन भारत की प्रतीक और अस्मिता का चिह्न था, उससे लोग धीरे धीरे दूर हो रहे थे। और इसी के साथ वनकर उद्योग पर संकट गहराता जा रहा था। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने संकट को समझा और खादी में क्रांति आ गई। डूबता-सिमटता खादी उद्योग बूम कर गया। मोदीजी ने इसे युवा से जोड़ दिया। खादी वस्त्रों की फैशन परेड होने लगी। युवाओं का खादी के प्रति क्रेज बढ़ गया और एक डूबता खादी उद्योग को ना केवल धड़कन मिली बल्कि वह चोगुनी पस्तर से आगे बढने लगा। खादी और स्वदेशी का यह नया रिस्ते की बात हम नहीं बाजार कह रहा है। वो बिक्री के आंकड़े कह रहे हैं कि खादी की गमक लौट आयी है। क्या आप इस बात से इंकार कर सकते हैं। गाँधी जी मशीनों का प्रयोग करने के विरोधी नहीं थे। वे हमेशा से इस बात की पैरवी करते रहे हैं कि बोझ और परिश्रम को



जोवट वाले नेता हैं जो 2014 से भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और वाराणसी से सांसद हैं। इस वर्ष अपने 75वें जन्मदिन पर मोदी मध्य प्रदेश के धार जिले के भैंसोला गांव में रहेंगे। इस दिन प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड एंप्लेयर पार्क का भूमि पूजन करेंगे। कपास आधारित उद्योगों पर आधारित यह पार्क 6 लाख किसानों को फायदा देगा। इसके अलावा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ करेंगे, इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर उनकी पहुंच को बेहतर करना, गुणवत्तापूर्ण देखभाल और जागरूकता सुनिश्चित करना है। इसके अलावा महिलाओं के लिए कई अन्य योजनाओं की भी शुरुआत होगी। मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिन उपलब्धियों को हासिल किया है, वे युगांतरकारी कहीं जा सकती हैं। आर्थिक क्षेत्र में जीएसटी, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को नई गति दी। सामाजिक क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, जन धन योजना, आयुष्मान भारत जैसी पहल ने करोड़ों गरीबों को सम्मानजनक जीवन का आधार दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने भारत की नई आक्रामक और निर्णायक छवि प्रस्तुत की। इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि मोदी ने भारतीय समाज में आत्मविश्वास का संचार किया और यह भावना मजबूत की कि भारत अब किसी से पीछे नहीं रहेगा। वैश्विक मंच पर नरेंद्र मोदी ने भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा, कोप-26 जैसे पर्यावरण मंचों पर उनकी स्पष्ट प्रतिबद्धता, विश्व को यह संदेश देती है कि भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र है। कोविड महामारी के दौरान वैक्सीन मैत्री योजना ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अपनी सीमाओं से परे जाकर पूरी मानवता के लिए सोचता है। यही कारण है कि आज भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभाने वाला देश माना जाने लगा है और नरेंद्र मोदी इस नई पहचान के प्रेरक बने हैं। मेरे लिए भी नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व केवल दूर से देखने का विषय नहीं रहा, बल्कि उनके

नरेन्द्र मोदी

नरेन्द्र मोदी

नरेन्द्र मोदी

के नाते मोदीजी ने देश को एक सपना दिया और वह सपना हकीकत में बदलने लगा। यह कपना भी ठीक नहीं होगा कि इस महादेश में सबकुछ सौफीसद हो गया है लेकिन शून्य से शिखर की ओर पहुँचने की शुरुआत हो चुकी है। नौनिहाल अब सड़कों पर कचरा फेंकने नहीं देते हैं। यही भाव स्वदेशी है जो हमें आत्मनिर्भरता की ओर ले जाता है। गाँधीजी का स्वप्न था कि हर भारतीय का कौशल निखरा जाए। इसे भी वे स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के चरम से देखने का प्रयास किया। यहाँ भी आपको नरेंद्र मोदी गाँधीमार्ग पर आगे बढ़ते दिखेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कौशल उन्नयन के साथ जोड़कर एक नवीन भारतीय शिक्षा पद्धति को आगे बढ़ाया है। हालाँकि अभी इसके समूचे क्रियान्वयन में कुछ बाधा हैं लेकिन जब नीयत हो तो किसी काम करने में उल्लेख बढ़ जाती है। सबसे खास बात यह है कि गाँधीजी अपने पूरे जीवनकाल मातृभाषा में शिक्षा की पैरवी करते रहे हैं और इस 2025 में गाँधीजी का स्वप्न जमीन पर उतर चुका है। शिक्षा को डिग्री बनाने की किसी लालच में मैकाले ने साजिश की थी, वह निरंतरता पाता रहा लेकिन मोदी ने इस साजिश को समझ चुकीतियाँ बड़ी हैं और उन्हें सुलझाने में समय चाहिए होता है। 2047 का भारत मोदी का नहीं, डेडे सो करोड़ भारतीय का सपना है। हिन्दुस्तान क्या अकेले मोदी का है? क्या विकास और विश्वास का रास्ता अकेले मोदी का कांथा मांगते हैं? नहीं, हिन्दुस्तान हम सबका है और हम सबको बराबरी की जिम्मेदारी है कि हम इस सुदीर्घ अनुभवी नेता का साथ दें। वे अपने जन्मदिन पर कोई उपहार मांगेंगे तो उन्हें बहुमूल्य वस्तु नहीं, हरेक भारतीय का साथ चाहिए। विश्वास चाहिए। उनके इस जन्मदिन पर उन्हें हीसला दी जाए क्योंकि आपका यह हीसला मोदी का नहीं, भारत का है। हम सबका है।

साथ जुड़े अनेक आत्मीय अनुभव आज भी मेरे जीवन की स्मृतियों में तازा हैं। वर्ष 2007 में जब मैं सुखी परिवार फाउंडेशन के महामंत्री के रूप में कार्य कर रहा था, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में एक विशाल आदिवासी सम्मेलन गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में हमने आयोजित किया था। उस सम्मेलन में नरेंद्र मोदी स्वयं पधारे थे। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे और कार्यक्रम में उपस्थित आदिवासी समाज की ऊर्जा और उत्साह के बीच गणि राजेन्द्र विजयजी ने बड़ी आत्मीयता से उनको कहा था- "अब आप दिल्ली चलो।" गणिजी का यह वाक्य केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी धर्मगुरु की अंतरदृष्टि थी, जो बाद में सार्थक भी हुई। गणि राजेंद्र विजयजी के प्रभाव से उस सम्मेलन में करीब डेढ़ लाख आदिवासी एकत्र हुए थे और मोदीजी ने उस सम्मेलन को जिस संवेदनशीलता और गंभीरता से संबोधित किया, वह उनकी लोकमंगलकारी दृष्टि और आदिवासी समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण था। मेरे लिए यह केवल एक व्यक्तित्वांत सम्मरण नहीं, बल्कि इस बात का साक्षात अनुभव है कि मोदीजी किस तरह जीवन के हर स्तर पर मिलने वाले लोगों और परिस्थितियों को दूरगामी दृष्टि से देखते हैं और उनमें राष्ट्र निर्माण की संभावनाएँ खोजते हैं। मोदीजी के व्यक्तित्व का एक बड़ा पक्ष मानवीय संवेदनाओं से भरा हुआ है। चाहे गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराना हो, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाना हो, बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना हो या स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ आम जन तक पहुँचाना हो, मोदी का हर कदम जीवन को सरल और सम्मानजनक बनाने पर केंद्रित है। वे न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत पर चलते हुए प्रशासन को अधिक सक्षम और प्रभावी बनाते हैं। उनका नेतृत्व केवल आधुनिकता और विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और आस्थाओं और आस्था के प्रति गहरे सम्मान को प्रकट करता है। इस प्रकार वे आधुनिक भारत और प्राचीन भारत का अन्तः के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं। आज नरेंद्र मोदी का नाम विश्व के शीर्ष नेताओं में गिना जाता है। टाइम और फोर्ब्स जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ उन्हें दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल करती हैं। अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान जैसी देशों के शीर्ष शैतल के साथ उनके व्यक्तिगत रिस्ते भारत की कूटनीति को नई ऊँचाइयों तक ले गए हैं। आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, शांति और विकास जैसे मुद्दों पर उनकी स्पष्ट और निर्णायक आवाज आज पूरी दुनिया सुनती है।

आप का	नजरिया
	

जरूरी है जिंदगी का एहसास

यह सोचने का मयार है जो हिमाचल को बड़े फैसलों का किरदार बना देता है। कई मुकाबले हैं तेरो इबादत के बीच, तूने पाने को खुदा की नुमाइश सजा दी।विकास की विक्रियाँ और विकास की सजावट के भीतर बय इतना है कि एक पीढियां लांच जाता है, दूसरा पीढियों को पछाड़ जाता है। मसलन एक छोटी सी बुनियाद पर अगर निर्माण सही हो, तो भविष्य में घर ऊंचा हो सकता है, वरना ऊंचे भवनों में भी एक दिन कबूतर भी आकर परेशान होते हैं। हिमाचल के विकास का पाठ्यक्रम खूब दिखाई देता है और आंकड़ों के ऐसे मुकाबले भी जीत लेता है कि बड़े से बड़े राज्य भी परास्त हो जाएं, फिर भी मुकम्मल होने के लिए आज भी सही कदम की तलाश है। आईजीएमसी में रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत के बाद टीएमसी में भी यह सुविधा शुरू हो गई। इसे एक उदाहरण मानें तो राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल का नाम ‘चढ़दी कलां’ में हो जाएगा, लेकिन मशीनों के साये में कार्य संस्कृति नहीं पलती। धर्मशाला के सेनानिवृत्त शिक्षाविद व विभाग के उच्च पदों पर रहे प्रो. ललित मोहन शर्मा से उनकी दास्तान सुनी जाए, तो उन्होंने टीएमसी में मौत के रोबोट देखे हैं। अपनी पत्नी को खोने के लिए उनके पास बीमारी के की लक्षण थे, लेकिन इमरजेंसी में टीएमसी के कब्रिस्तान अनुभव भयावह रहा। बेहतर दिन डाक्टर, सक्षम उपचार, डाक्टर में तल्लीन युवा शिशु और एसआर डेवकार पूरी तल्लीनता से सक्रिय दिखे, लेकिन नहीं दिखा कोई एक अवद स्ट्रेचर, जो मरीज को सुपरस्पैशियलिटी परिसर तक ले चलें। उनकी कसरतों के पचास मिन्ट में एक मेडिकल कालेज की सांसें फूलीं और अंततः उस पीड़ा में एक प्रयास हार गया, एक लिफ्ट पर पहुंच कर एक चिकित्सा सेवाओं का शुरू हो गई।इसे एक उदाहरण मानें तो एएसएस होगा, लेकिन इसी के पचास मिन्ट में जिंदा रहने का एहसास कहां से आएगा। वो स्ट्रेचर कहां से आएगा जो किसी मरीज को तड़पने से पहले डाक्टर तक ले जाएगा। खराब लिफ्ट में कार्य संस्कृति नहीं पलती। धर्मशाला के काबिरे से पुनः चढना-उतरना शुरू करेंगी। सेवानिवृत्त शिक्षाविद व विभाग के उच्च पदों पर रहे प्रो. ललित मोहन शर्मा से उनकी दास्तान सुनी जाए, तो उन्होंने टीएमसी में मौत के रोबोट देखे हैं। अपनी पत्नी को खोने के लिए उनके पास बीमारी के की लक्षण थे, लेकिन इमरजेंसी में टीएमसी के कब्रिस्तान अनुभव भयावह रहा। बेहतर दिन डाक्टर, सक्षम उपचार, डाक्टर में तल्लीन युवा शिशु और एसआर डेवकार पूरी तल्लीनता से सक्रिय दिखे, लेकिन नहीं दिखा कोई एक अवद स्ट्रेचर, जो मरीज को सुपरस्पैशियलिटी परिसर तक ले चले। सुकून नहीं मिलता, तो मुश्किलें खराब इंतजाम की महफिल बन जाती हैं। हम बहुत बुनियादी ढांचा का दर्जा दिया जाएगा, जिससे कंपनियों को बेहतर शतों पर विश्वपोषण प्राप्त हो सकेगा।इससे भारत में जहाज निर्माण में आसानी होगी और भारतीय शिपयार्ड संचालन को बढ़ावा मिलेगा। जहाज निर्माण और संबंधित बुनियादी ढांचे के लिए दीर्घकालिक, कम लागत वाला वित्त प्रदान करने हेतु 250 अरब रुपए (लगभग 2.9 अरब डॉलर) का एक समर्पित कोष भी शुरू किया गया है। जहाज निर्माण और जहाज तोड़ने में उपयोग होने वाले इनपुट पर आयात शुल्क अलग 10 वर्षों के लिए माफ कर दिया गया है, जिससे घरेलू कंपनियों की लागत कम हो गई है।शिप-ब्रेकिंग क्रेडिट नोट योजना एक पहल है, जो क्रेडिट नोट जारी करके भारतीय या र्दों में घुसने जहाजों को तोड़ने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे बेड़े के नवीनीकरण को बढ़ावा मिलता है और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है।

हिमाचल के विकास का पाठ्यक्रम खूब दिखाई देता है और आंकड़ों के ऐसे मुकाबले भी जीत लेता है कि बड़े से बड़े राज्य भी परास्त हो जाएं, फिर भी मुकम्मल होने के लिए आज भी सही कदम की तलाश है। आईजीएमसी में रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत के बाद टीएमसी में भी यह सुविधा शुरू हो गई।इसे एक उदाहरण मानें तो एएसएस होगा, लेकिन इसी के पचास मिन्ट में जिंदा रहने का एहसास कहां से आएगा। वो स्ट्रेचर कहां से आएगा जो किसी मरीज को तड़पने से पहले डाक्टर तक ले जाएगा। खराब लिफ्ट में कार्य संस्कृति नहीं पलती। धर्मशाला के काबिरे से पुनः चढना-उतरना शुरू करेंगी। सेवानिवृत्त शिक्षाविद व विभाग के उच्च पदों पर रहे प्रो. ललित मोहन शर्मा से उनकी दास्तान सुनी जाए, तो उन्होंने टीएमसी में मौत के रोबोट देखे हैं। अपनी पत्नी को खोने के लिए उनके पास बीमारी के की लक्षण थे, लेकिन इमरजेंसी में टीएमसी के कब्रिस्तान अनुभव भयावह रहा। बेहतर दिन डाक्टर, सक्षम उपचार, डाक्टर में तल्लीन युवा शिशु और एसआर डेवकार पूरी तल्लीनता से सक्रिय दिखे, लेकिन नहीं दिखा कोई एक अवद स्ट्रेचर, जो मरीज को सुपरस्पैशियलिटी परिसर तक ले चले। सुकून नहीं मिलता, तो मुश्किलें खराब इंतजाम की महफिल बन जाती हैं। हम बहुत बुनियादी ढांचा का दर्जा दिया जाएगा, जिससे कंपनियों को बेहतर शतों पर विश्वपोषण प्राप्त हो सकेगा।इससे भारत में जहाज निर्माण में आसानी होगी और भारतीय शिपयार्ड संचालन को बढ़ावा मिलेगा। जहाज निर्माण और संबंधित बुनियादी ढांचे के लिए दीर्घकालिक, कम लागत वाला वित्त प्रदान करने हेतु 250 अरब रुपए (लगभग 2.9 अरब डॉलर) का एक समर्पित कोष भी शुरू किया गया है। जहाज निर्माण और जहाज तोड़ने में उपयोग होने वाले इनपुट पर आयात शुल्क अलग 10 वर्षों के लिए माफ कर दिया गया है, जिससे घरेलू कंपनियों की लागत कम हो गई है।शिप-ब्रेकिंग क्रेडिट नोट योजना एक पहल है, जो क्रेडिट नोट जारी करके भारतीय या र्दों में घुसने जहाजों को तोड़ने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे बेड़े के नवीनीकरण को बढ़ावा मिलता है और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है।





वेनेजुएला के ड्रग कार्टेल के खिलाफ अमेरिका का अभियान जारी, नाव पर हमला कर तीन को मारा

वाशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का वेनेजुएला के ड्रग कार्टेल के खिलाफ अभियान जारी है। अमेरिकी सेना ने इस महीने दूसरी बार एक नाव पर हमला किया। इस बार सेना ने तीन लोगों को मार गिराया। वेनेजुएला के ड्रग कार्टेल को अमेरिका में फेंटेनाइल की खेप किसी भी कोशत पर नहीं पहुंचाने दी जाएगी। ट्रंप ने सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुआ और इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने

अमेरिकी सेना की दक्षिणी कमान का जिक्र करते हुए लिखा, 'सुबह मेरे आदेश पर अमेरिकी सैन्य बलों ने साउथकोम के जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में स्पष्ट रूप से पहचाने गए असाधारण रूप से हिंसक ड्रग तस्करी कार्टेल और नाकॉटेरेस्टि के खिलाफ दूसरा काइनेटिक स्ट्राइक किया। उन्होंने दावा किया कि नाव अमेरिका की तरफ आ रही थी। उन्होंने कहा कि मारे गए लोगों की पहचान कर ली गई है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक 27 सेकंड का वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें हवाई निगरानी के कई क्लिप हैं। इसमें एक स्पीडबोत पानी में उछलती हुई दिखाई दे रही है और

फिर एक भीषण विस्फोट ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। उधर, पेंटागन ने सोमवार को ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला देते हुए हमले के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने जरूर कहा कि यह एक विशेष अभियान था। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने 2 सितंबर के हमले की निंदा करते हुए इसे एक जघन्य अपराध और नागरिकों पर सैन्य हमला बताया था। उन्होंने कहा था कि अगर अमेरिका को लगता है कि नाव के यात्री ड्रग तस्करी थे तो उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए था। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना के आठ युद्धपोत

कैरिबियन में तैनात हैं और पेंटागन ने प्यूर्टो रिको को सशस्त्र एमक्वू-9 रीपर ड्रोन और एफ-35 लड़ाकू विमानों सहित अन्य विमान देने का आदेश दिया है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने पिछले हफ्ते प्यूर्टो रिको का अघोषित दौरा किया। कांग्रेस के डेमोक्रेट्स ने सोमवार को वृंक्ष के आदेश की आलोचना की। सशस्त्र जैक समिति के चरित्र डेमोक्रेट और रोड आइलैंड के सीनेटर जैक रोड ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप की कार्रवाई कानून का धोर उल्लंघन और संविधान पर एक खतरनाक हमला है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में प्रदर्शन के दौरान मारे गए 10 छात्रों का अंतिम संस्कार किया गया



काठमांडू। नेपाल में 8 और 9 सितंबर के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान अपनी जान गंवाने वाले दस छात्रों का अंतिम संस्कार मंगलवार को किया गया है। इनमें से नौ शवों को महाराजगंज के त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में और एक को पाटन अस्पताल में रखा गया था। नेपाल की अंतरिम सरकार ने एक दिन पहले सोमवार को जैन-जी आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों को आधिकारिक तौर पर शहीदों का दर्जा देने का फैसला लिया था। सरकार ने इनके सम्मान में एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है और सार्वजनिक अवकाश दिया है। मृत छात्रों के बलिदान का सम्मान करने के लिए अंतिम संस्कार जुलूस निकाला गया, जिसकी शुरुआत शिक्षण अस्पताल से हुई और दाह संस्कार से पहले रिंग रोड पर इस शव यात्रा को घुमाया गया। त्रिभुवन विश्वविद्यालय की प्रवक्ता काली प्रसाद रोज्यारा के अनुसार काठमांडू के बाहर रहने वाले मृतकों के शवों को उनके गंतव्य तक भेज दिया गया है। काठमांडू के 10 मृतकों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा से पहले काली मंदिर पर धावा, मूर्तियां तोड़ीं



ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश में नवरात्रि और दुर्गा पूजा से पहले एक हिन्दू मंदिर पर की गई तोड़फोड़ से अल्पसंख्यक समुदाय भयभीत है। बताया गया है कि रविवार रात कुश्तिया के मीरपुर उप जिला स्थित स्वरूपदाह पालपारा श्री श्री रक्खी काली मंदिर में बदमाशों ने दो मूर्तियों को खंडित कर दिया। बदमाश तोड़फोड़ करने के बाद एक सीसीटीवी और एक मेमोरी कार्ड अपने साथ ले गए। रिपोर्ट के अनुसार, मीरपुर थाना प्रभारी मोमिनूल इस्लाम ने बताया कि घटना रविवार रात 8:00 बजे से 8:30 बजे के बीच हुई होगी। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और न ही कोई शिकायत दर्ज की गई है। घटना की जांच की जा रही है। मंदिर समिति के पूर्व सचिव बादल कुमार डे ने कहा कि हम लोग पिछले तीन साल से यहां दुर्गा पूजा का आयोजन करते आ रहे हैं। दुर्गा पूजा से पहले हुई इस घटना से सभी लोग दहशत में। उन्होंने कहा कि बदमाशों ने मंदिर का सुरक्षा कैमरा और उसका मेमोरी कार्ड लूट लिया। कुश्तिया के उपायुक्त अबू हसनत मोहम्मद अराफिन ने सोमवार को घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि जांच के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंदिर में मौजूदा सुरक्षा उपायों के बारे में पूछे जाने पर अराफिन ने कहा कि नए कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा, अंसार के सदस्य कीबीसी घंटे तैनात रहते हैं। उन्होंने कहा, स्थिति अब सामान्य है।

गाजा युद्ध पर विवाद : स्पेन के प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय खेलों से इजराइल को प्रतिबंधित करने की मांग की



मैड्रिड। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने कहा है कि गाजा युद्ध के चलते इजराइल को अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह बयान तब दिया जब फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने स्पेन की सबसे बड़ी साइकिल रेस गुएल्टा ए एस्पान्या का अंतिम चरण बाधित कर दिया। सांचेज ने 14 सितंबर को हुई इस घटना पर प्रदर्शनकारियों की गहरी प्रशंसा व्यक्त की और कहा कि इजराइल पर भी वही कार्रवाई होनी चाहिए, जैसी रूस पर यूक्रेन पर हमले के बाद की गई थी। उन्होंने कहा कि आरोपी स्थिति स्पष्ट है - जब तक यह बर्बरता जारी है, रूस और इजराइल दोनों को किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग नहीं लेना चाहिए। करीब एक लाख प्रदर्शनकारी मैड्रिड में जुटे और साइकिल रेस के मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। पुलिस ने शुरुआत में रोकने की कोशिश की, लेकिन बाद में शांतिपूर्ण ढंग से सड़क पर कब्जा करने दिया। विरोध प्रदर्शन का मुख्य विरोधना इजराइल-प्रीमियर टैक टीम रही, जो इस प्रतिक्रिया रेस में शामिल थी। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन साआर ने सांचेज पर प्रदर्शनकारियों को उकसाने का आरोप लगाते हुए उनकी सरकार को स्पेन की शर्म बताया। स्पेन की विपक्षी पॉपुलर पार्टी ने भी सरकार को कठघरे में खड़ा किया और कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी है। स्पेन के यहूदी समुदाय संगठन एफसीजेई ने भी बयान जारी कर हिंसा को जायज ठहराने और यहूदियों के खिलाफ घृणा फैलाने की निंदा की। गुएल्टा रेस के निदेशक जेवियर गुइलेन ने इसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताया और कहा कि भविष्य में ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। उन्होंने साथ ही 2026 में बार्सिलोना से शुरू होने वाले टूर दी फ्रांस पर भी सवाल उठाने की आशंका जताई।

इजराइल का गाजा में बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू, हमलों में 41 लोगों की मौत

गाजा पट्टी, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

इजराइल ने गाजा में आतंकवादी समूह हमस के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया है। इन हमलों में 41 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। गाजा शहर पर धीरे-धीरे नियंत्रण के साथ आगे बढ़ रही इजराइली सेना ने निवासियों से अन्यत्र चले जाने का आह्वान किया है।

गाजा के अस्पतालों के अधिकारियों ने कहा कि रातभर हुए इजराइली हमलों में गाजा शहर में 37 मध्य गाजा में चार लोग मारे गए हैं। भ्रष्टाचार के मुकदमे का सामना कर रहे नेतन्याहू ने अदालत में अपना पक्ष रखने के दौरान कहा कि हमने कल गाजा में अब तक का सबसे बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया है। सुरक्षा बल महत्वपूर्ण चरण पर पहुंच गए हैं। इसके परिणाम सुखद होंगे।

इजराइली सेना ने निवासियों से गाजा शहर खाली करने का आह्वान करते हुए कहा कि वह इस एन्क्लेव के सबसे बड़े शहरी केंद्र में हमस के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रही है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के अरबी प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने एक्स पर कहा, गाजा शहर को एक खतरनाक युद्ध क्षेत्र माना जाता है। इस क्षेत्र में रहना आपको जोखिम में डालता है। आईडीएफ ने निवासियों को वाहन या पैदल अल-रशीद स्ट्रीट से होते हुए गाजा शहर के दक्षिण की ओर जितनी जल्दी हो सके जाने का निर्देश दिया है।

संयुक्त राष्ट्र ने पिछले महीने चेतावनी दी थी कि गाजा शहर पर इजराइल के आक्रमण का मतलब वहां रहने वाले लगभग 10 लाख फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापित होने का खतरा होगा। इस बीच नेतन्याहू की लिक्वुड पार्टी के एक सम्मेलन के दौरान मध्य यरुशलम में दर्जनों



प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए और गाजा में बंधकों की रिहाई और युद्ध समाप्त करने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे इजराइली लोकतंत्र समर्थक आंदोलन ने कहा कि लड़ाई बढ़ने से और अधिक बंधकों की मौत होगी। गाजा पर कब्जा करने से जीवित बंधकों की हत्या हो जाएगी और मृतक लापता हो जाएंगे।

संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनियल मेरोन का कहना है कि गाजा में इजराइल के उद्देश्य स्पष्ट हैं। इजराइल गाजा में अपने अभियान के साथ आगे

बढ़ रहा है और उसके उद्देश्य स्पष्ट हैं। इजराइल हमस की सैन्य क्षमता को खत्म करने, गाजा में हमस के शासन को समाप्त करने, 48 इजराइली बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गाजा की स्थिति पर स्वास्थ्य अधिकारियों और सहायताकर्मियों ने बताया कि उत्तरी गाजा में चिकित्सा सेवाएं चरमरा गई हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति और दवाइयों तत्काल पहुंचाने का आह्वान किया है।

गाजा शहर के अल-शिफा

चीन के समर्थन के बिना रूस युद्ध में ज्यादा दिन तक नहीं रह सकता ट्रंप के विशेष दूत केलॉग ने रूस-चीनी गठजोड़ की आलोचना की

कीव, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

रूस-यूक्रेन युद्ध यूरोप और अमेरिका के लिए गले की हड्डी बना गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इस युद्ध को खत्म करने की कोशिश में लगे हैं, लेकिन बार-बार नाकाम हो रहे हैं। हाल ही में युद्ध के जारी रहने पर यूक्रेन में ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलॉग ने रूस और चीनी गठजोड़ की आलोचना की। उन्होंने कहा कि रूस चीनी समर्थन के बिना ज्यादा समय तक जिंदा नहीं रह सकता है। अगर बीजिंग, मास्को को समर्थन देना बंद कर दे तो यूक्रेन का युद्ध कल ही खत्म हो जाएगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक कीव में याल्टा यूरोपीय रणनीति कार्यक्रम में कीथ केलॉग ने कहा कि अगर आप चीन और रूस को एक साथ देखें, तो रूस कोला साझेदार है। चीनी छोटे नहीं हैं... क्योंकि चीनियों के पास आर्थिक और सैन्य ताकत है... स्पष्ट रूप से उनके पास इतिहास और राजनैतिक नेतृत्व भी है। अगर चीन, रूस को समर्थन देना बंद कर दे तो युद्ध कल ही खत्म हो जाएगा। मुझे नहीं लगता कि चीन के समर्थन के बिना रूस इस युद्ध में ज्यादा



दिन टिक जाएगा।

बता दें 2022 में यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के बाद से ही चीन रूस का सबसे बड़ा साझेदार बनकर उभरा है। युद्ध शुरू होने के बाद चीन ने रूस को लघातार ड्रोन, गोला-बारूद, हथियार सप्लाई किए हैं। इतना ही नहीं रूस की यूरोपीय सप्लाई बंद होने के बाद चीन ने रूसी तेल और गैस को खरीदी है। बढ़ाया है और उसके अलावा बाकी सामान के लिए भी बाजार खोल दिए हैं। रूसी तेल का चीन सबसे बड़ा खरीददार है और भारत भी रूस से तेल खरीदी

कर रहा है जिसके लेकर अमेरिका नाराज है।

केलॉग ने इसके अलावा रूस की तरफ से लड़ने वाले उत्तर कोरियाई सैनिकों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों का उतरना यह दर्शाता है कि रूसी सैन्य ताकत उतनी भी मजबूत नहीं है, जितना की पुतिन दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर रूसी सेना इतनी ही ताकतवर होती तो उसे उत्तर कोरिया के 10 हजार सैनिकों की जरूरत नहीं पड़ती।

बता दें इस युद्ध में अमेरिका और रूस के तरफ के दो पक्ष हैं। एक तरफ अमेरिका जहां रूस के चीन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर होने की आलोचना करता है तो वहीं रूस भी लगातार दूसरे देशों पर अपनी निर्भरता को बढ़ाकर केवल चीन पर ही डिपेंडेंट नहीं रहना चाहता। के समय में चीन जहां उसके कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीददार है, तो दूसरे नंबर पर भारत है। रूस अपने आप में एक बहुत बड़ा हथियार उत्पादक देश है। इसके अलावा युद्ध के शुरुआती समय में आई रिपोर्ट के मुताबिक चीन के अलावा रूस को उत्तर कोरिया को तरफ से भी हथियार सप्लाई हो रहे हैं।

बाइडेन प्रशासन पर फोड़ा ठीकरा, कहा-आरोपी क्यूबा भेज देते तो यह हत्या नहीं होती

वाशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में भारतीय मूल के एक व्यक्ति की पत्नी और बच्चे के सामने गला काटकर नृशंस हत्या की निंदा अमेरिकी राष्ट्रपति भी कर चुके हैं, लेकिन ट्रंप प्रशासन हत्या की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने हत्यारे को राक्षस बताते हुए कहा कि इस अपराध को रोका जा सकता था। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने ठीकरा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के सिर पर फोड़ दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों का कहना है कि अगर बाइडेन प्रशासन में ही आरोपी क्यूबा के नागरिक कोबोस मार्टिनेज को वापस उसके देश भेज दिया गया होता तो यह अपराध नहीं होता। आरोपी कोबोस ने 50 साल के भारतीय मूल के एक होटल मैनेजर नागामलैया की हत्या कर दी थी। उसने नागामलैया की पत्नी और बच्चे के सामने ही सिर धड़ से अलग कर दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने सिर को लात मारी और फिर उसे उठाकर कुड़ेदान में फेंक दिया था। जानकारी के मुताबिक दोनों के



बीच वाशिंग मशीन को लेकर बहस हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि आरोपी हत्याकर गर्दन पर तब तक वार करता रहा जब तक कि सिर धड़ से अलग नहीं हो गया। घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। क्यूबा के नागरिक

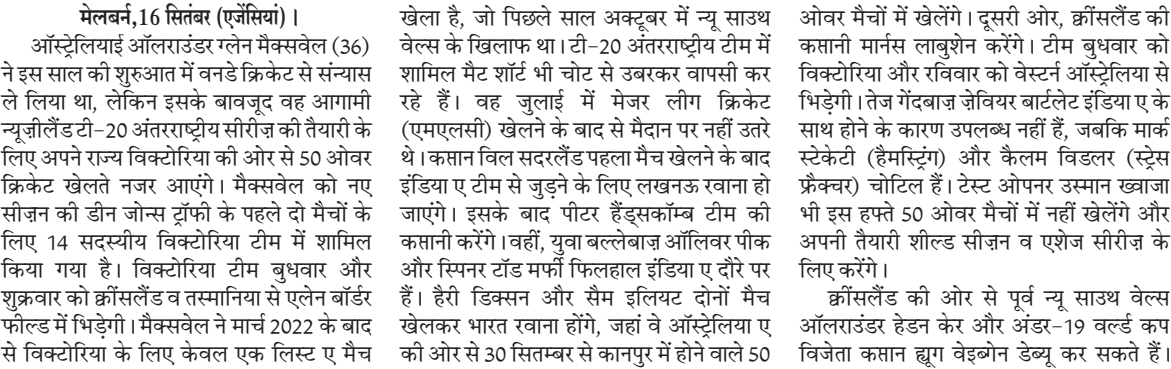
कोबोस को पहले भी चोरी और बच्चों के शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका था। हालांकि जब उसे क्यूबा वापस भेजने की बात उठी तो उसे जेल से ही छोड़ दिया गया। बाइडेन प्रशासन ने कहा कि उसे वापस भेजने के लिए

कतर पर हमले के बारे में इजरायल ने हमें नहीं बताया, वह उसका फैसला था: ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कतर में हमस नेताओं पर हमला करने से पहले उन्हें कोई सूचना नहीं दी थी। उन्होंने साफ कहा कि यह हमला पूरी तरह से इजराइल का खुद का फैसला था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओलिव ऑफिस में ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इजरायल ने हमें इस बारे में नहीं बताया था। उन्होंने कहा कि कतर अमेरिका का खास मित्र है और उन्होंने देहा को भरोसा दिलाया कि इजराइल फिर कतर पर हमला नहीं करेगा। साथ ही कहा कि देहा एक बहुत अच्छा सहयोगी है। वहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि कतर में हमस नेताओं पर हमला पूरी तरह से इजरायल की ओर से की गई स्वतंत्र कार्रवाई थी, साथ ही कहा कि इस हमले की योजना इजरायल ने खुद बनाई थी और इसे अंजाम भी इजरायल ने ही दिया। हम पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। उधर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि कतर को संघर्ष समाधान में सहयोगी की भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कतर से कहा कि वह गाजा में बचे 48 बंधकों को छुड़ाने, हमस के हथियार डालने और गाजा के लोगों के बेहतर भविष्य के लिए मदद करें। रुबियो ने नेतन्याहू के साथ मिलकर देहा को रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

क्यूबा कि पर्याप्त उड़ानें नहीं हैं। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने कहा कि वह अपराधी हमारे देश में ना होता तो यह हत्या हो ना होती। क्यूबा ने आरोपी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था क्योंकि वह ऐसे अपराधी को

अपने देश लाना नहीं चाहते। वहीं जो बाइडेन प्रशासन ने ढील दी और उसे जेल से छोड़ दिया गया। बता दें भारतीय मूल के राक्षस की हत्या को लेकर ट्रंप ने भी कहा था कि अब अवैध प्रवासियों पर नरमी के दिन लद गए हैं।





न्यूज़बीफ

इंडिगो आठ अक्टूबर से मुंबई से कोपेनहेगन की सीधी उड़ान शुरू करेगी



मुंबई। एयरलाइन कंपनी इंडिगो 8 अक्टूबर से मुंबई से डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के लिए उड़ान सेवाएं शुरू करेगी, जिससे उत्तरी यूरोप में उसके अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का और विस्तार होगा। इंडिगो ने मंगलवार को कहा कि नई सेवाएं सप्ताह में तीन बार संचालित की जाएंगी और इसके लिए वह नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से पट्टे पर लिए गए बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान का इस्तेमाल करेगी। कंपनी के मुताबिक इस मार्ग पर ग्राहकों के पास इकोनॉमी क्लास के साथ-साथ इंडिगो के विशेष व्यावसायिक उत्पाद, इंडिगोस्ट्रेव में उड़ान भरने का विकल्प होगा। वे लगभग 300 घंटे की आकर्षक सामग्री के साथ-साथ उड़ान के दौरान मनोरंजन के साथ-साथ मुफ्त गर्म भोजन और पेय पदार्थों का आनंद ले सकेंगे। इंडिगो ने बताया कि ये उड़ानें अब सभी प्लेटफॉर्म पर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें इंडिगो की वेबसाइट मोबाइल ऐप और सभी अधिकृत यात्रा साझेदार शामिल हैं। इसके साथ ही इंडिगो एयरलाइन अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का उत्तरी यूरोप में विस्तार करेगी, जिससे कोपेनहेगन उसका 44वां अंतरराष्ट्रीय और कुल मिलाकर 138वां गंतव्य बन जाएगा।

खाद्यान्न, फल या सब्जियों की कोई कमी नहीं.....भारत दुनिया की फूड बास्केट बनेगा



नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिराज सिंह चौहान ने बताया कि देश में खाद्यान्न, फल या सब्जियों की कोई कमी नहीं होगी और भारत दुनिया की फूड बास्केट बनेगा। दिल्ली में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन रबी अभियान 2025' को संबोधित कर कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि देश में कृषि 3.7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो दुनिया में सबसे अधिक है, और इसका श्रेय हमारे किसानों और वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों को जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य एकजुट हैं और हमारे राष्ट्र, हमारे लोगों और हमारे किसानों के लिए, हम पूरी ताकत से मिलकर काम करते करने वाले हैं, क्योंकि उनका कल्याण हमारे लिए सर्वोपरि है। राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन रबी अभियान 2025 ' में बोले कृषि मंत्री केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा, हम भाग्यशाली हैं कि हमें भारत के कृषि परिदृश्य को बदलने की जिम्मेदारी मिली है। हम साधारण लोग नहीं हैं। हम वे लोग हैं जो देश की आधी आबादी का भाग्य गढ़ते हैं। हमें पूरी लगन से काम करना होगा। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि अब केवल सभी मानकों और मानदंडों को पूरा करने वाले बायो-रिट्रिब्यूट्स (पौधों की वृद्धि बढ़ाने वाले) ही बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।। केन्द्र के साथ मिलकर सभी राज्य कृषि विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सभी संबंधित संगठनों को ठोस कार्यक्रम और रणनीति तैयार करनी चाहिए और जमीनी स्तर पर तेजी से काम करना चाहिए। अधिकारियों को अपने काम में मूल्यवर्धन करना चाहिए।

मदर डेयरी ने दूध, पनीर और घी के दाम घटाये, नई कीमतें 22 सितंबर से होंगी लागू



नई दिल्ली। मदर डेयरी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में 100 फीसदी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को देगी। इसीलिए अब अपने उत्पादों की कीमतों में 2 रुपये से लेकर 30 रुपये तक की कटौती करने का ऐलान किया है। ये नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी। मदर डेयरी ने मंगलवार को रोजमर्रा की जरूरतों वाले उत्पादों जैसे टोन्ड मिल्क, पनीर, बटर, घी, पनीर और प्रीमियम गाय के घी की कीमतों में कटौती का ऐलान किया है। कीमतों में कटौती के बाद एक लीटर टोड यूएचटी टेटा पैक दूध की कीमत 77 रुपये प्रति लीटर से घटकर 75 रुपये हो जाएगी, जबकि 450 एमएल वाला पैक अब 33 रुपये के बजाय 32 रुपये में मिलेगा। फ्लेवर्ड मिल्कशेक के 180 एमएल पैक की कीमत भी 30 रुपये से घटकर 28 रुपये हो जाएगी। मदर डेयरी ने पनीर के दामों में भी कटौती की है। अब 200 ग्राम वाला पनीर 95 रुपये की जगह 92 रुपये में और 400 ग्राम वाला पनीर का पैकेट 180 रुपये की जगह 174 रुपये में मिलेगा।

जीके एनर्जी का आईपीओ 19 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। जीके एनर्जी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 19 सितंबर 2025 को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 23 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 145-153 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

एक दिन की कमजोरी के बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

बाजार की मजबूती से निवेशकों को एक दिन में 2.91 लाख करोड़ का फायदा

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट के मजबूत संकेत, अमेरिका के साथ ट्रेड डील होने की उम्मीद और रुपये की मजबूती के कारण घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तेजी का माहौल बना रहा। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का झटका भी लगा, लेकिन थोड़ी देर में ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.73 प्रतिशत और निफ्टी 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, टेलीकॉम और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संयुक्ति में करीब तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 462.96 लाख करोड़ रुपये (अर्नातिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.05 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.91 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,309 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,508 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,606 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 195 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में



2,777 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,787 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 990 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और सिर्फ 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 66.37 अंक की मामूली तेजी के साथ 81,852.11 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के झटके के कारण ये सूचकांक कुछ पल के लिए 5.80 अंक की कमजोरी के साथ 81,779.94 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 657.74 अंक की मजबूती के साथ 82,443.48 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 60 अंक से अधिक फिसल कर 594.95 अंक की मजबूती के साथ 82,380.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 4.40 अंक की संकेतिक बढ़त के साथ 25,073.60 अंक के स्तर से कारोबार की

शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। हालांकि, बीच-बीच में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का मामूली झटका भी लगता रहा। इसके बावजूद इस सूचकांक की चाल में तेजी बनी रही। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 192.20 अंक उछल कर 25,261.40 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, अंत में दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई बिकवाली की वजह से निफ्टी ने ऊपरी स्तर से 20 अंक से अधिक टूट कर 169.90 अंक की तेजी के साथ 25,239.10 अंक के स्तर पर के कारोबार का अंत किया। दिन भर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोटक महिंद्रा 2.58 प्रतिशत, लार्सन एंड टूबो 2.28 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.20 प्रतिशत, भारति सुचुकी 2.02 प्रतिशत और भारती एयरटेल 1.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 0.95 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 0.89 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 0.87 प्रतिशत, नेस्ले 0.68 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान के...

लेकिन कश्मीर को अलग मुद्दा बनाना गलत। व्यापार या मध्यस्थता का कोई लिंक नहीं। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे, जिसमें अधिकतर हिंदू पर्यटक थे। भारत ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया और 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और झेध में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के नौ कैप्ों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की और हवाई झड़पें हुईं। जिसमें भारतीय वायुसेना ने पाँच पाकिस्तानी लड़ाकू विमान गिराए।

2047 तक...

आतंकवाद, गिरोहों, बल्कि हर चीज के लिए उपयोगी हो। यह बहुत जरूरी है और जिस तरह प्रत्यर्पण जरूरी है, उसी तरह व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ निर्वासन भी जरूरी है। जिन लोगों को आपने यहाँ जेल में रखा है, वे किसी न किसी तरह से यहाँ से कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं। गृह मंत्रालय की ओर से कुछ दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इस प्रक्रिया के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, उन्हें निर्वासित करने की व्यवस्था का रास्ता सुनिश्चित किया जाना चाहिए। गृह विभाग इसके लिए एक एसओपी भी जारी करने वाला है।

विवाहघर बनाने के...

करके 27 मंदिरों में विवाह हॉल के निर्माण की घोषणा की थी। इस हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम और उसके नियमों के प्रावधानों के तहत सरकार को विवाह हॉल के निर्माण के लिए मंदिर के धन या अधिशेष धन का उपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है। याचिका में कहा गया कि मंदिर का धन व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नहीं है और ये सरकारी आदेश तमिलनाडु हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1959 की धारा 35, 36 और 66 का उल्लंघन है। वहीं राज्य के वकील ने उच्च न्यायालय को बताया कि हिंदू विवाह एक धार्मिक गतिविधि है। हिंदुओं को कम खर्च में विवाह संपन्न कराने में सहायता करने के लिए सरकार ने विवाह हॉल बनाने का निर्णय लिया।

ऑपरेशन सिंदूर में ...

हमले के वक्त मसूद मौके पर नहीं था, इस वजह से उसकी जान बच गई थी। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के मुताबिक आतंकी मसूद ने परिवार के लोगों के मरने के बाद एक बयान भी जारी किया था। उसमें उसने कहा था कि मैं भी मर जाता तो खुशसाही होता। मसूद अजहर सालों से बहावलपुर के चौक आजम इलाके के मरकज सुभानल्लाह नाम के कैम्पस में ही रह रहा था। साल 2011 तक इस कैम्पस में सिर्फ एक मस्जिद थी, उसके बाद आतंकियों की ट्रेनिंग और बाकी एक्टिविटीज के लिए कैम्पस में इमारतें और बाकी स्ट्रक्चर बढ़ता चला गया। सेटलाइट इमेजेज के आधार पर इसका पूरा इलाका 18 एकड़ बताया जाता है। फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद जैश-ए-मोहम्मद ने इसकी

जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद भारत की मांग पर संयुक्त राष्ट्र ने मसूद को ग्लोबल टेरिस्ट की लिस्ट में डाला था। अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने पर पाकिस्तान ने कहा था कि जैश के बहावलपुर हेडक्वार्टर को सरकार ने अपने कब्जे में ले लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान ने मसूद की सिक्कोरिटी और बढ़ा दी थी। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को इस तरह की स्ट्राइक का अंदेश था, इसलिए माना जाता है कि मसूद को पहले ही वहां से शिफ्ट कर दिया गया था। ज. रामेश्वर राय के मुताबिक, पाकिस्तान में मसूद को सेना का प्रोटेक्शन मिला हुआ है, लेकिन पाकिस्तान यह नहीं मानता कि मसूद उसकी जमीन पर मौजूद है। इसलिए पाकिस्तान मसूद अजहर के मारे जाने की बात छिपाने की कोशिश कर सकता है।

उत्तराखंड की टोंस ...

इसमें एक ही परिवार के 5 लोग मलबे में दब गए, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। वहीं मंडी के दरंग में मंगलवार सुबह मंदिर जा रहे दो लोग सुमा खड्ड के तेज बहाव में बह गए। इनमें से एक का शव मिल गया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। धर्मपुर बस स्टैंड पर बारिश के बाद मलबा भर गया। यहां बाढ़ में कई बसें दूर तक बह गईं। सोमवार को भारी बारिश ने महाराष्ट्र के मुंबई में रेलवे ट्रैक, सब-वे और सड़कों पर पानी भर गया। बीड में 11 ग्रामीणों को वायुसेना ने एयरलिफ्ट किया।

सेना बनेगी टेक...

यह दो महीने, एक साल या पाँच साल भी हो सकता है। हमें तैयार रहने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हमारी क्षमता पर्याप्त बनी रहे।

भारत के रक्षा क्षेत्र को आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं का सम्मिश्रण बताते हुए, रक्षा मंत्री ने कमांडरों से सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने और प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना के अनुरूप सुदर्शन चक्र के निर्माण के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परियोजना की जाँच और एक यथार्थवादी कार्य योजना तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। उन्होंने इस परिकल्पना को साकार करने के लिए अगले पाँच वर्षों के लिए एक मध्यम अवधि और अगले दस वर्षों के लिए एक दीर्घकालिक योजना बनाने का सुझाव दिया।

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि देश का रक्षा क्षेत्र आधुनिकीकरण, परिचालन तत्परता, तकनीकी श्रेष्ठता और विश्वसनीय प्रतिरोध पर केंद्रित है, राजनाथ सिंह ने 15 सितंबर, 2025 को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए जय (संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार) के मंत्र पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। सिंह ने भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकियों के विकास में उद्योग और शिक्षा जगत के साथ गहन जुड़ाव के विकास की। उन्होंने एक मजबूत रक्षा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और घरेलू उद्योग को दुनिया में सबसे बड़ा और सर्वश्रेष्ठ बनाने में निजी क्षेत्र की भूमिका को और बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण की पुष्टि की।

अगस्त में भारत के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात में 4.9 प्रतिशत की वृद्धि

भारत की एक सौर ऊर्जा से चलने वाली कृषि जल पंप प्रणाली प्रदाता कंपनी है। सौर ऊर्जा से चलने वाले कृषि जल पंप प्रणाली प्रदाता ये कंपनी किसानों को सौर ऊर्जा चालित पंप प्रणालियों के सर्वेक्षण, डिजाइन, आपूर्ति, संयोजन और स्थापना, परीक्षण, उसे चालू करना और रखरखाव के लिए संपूर्ण एकल स्रोत समाधान प्रदान करती है। इसके अलावा पीएम-कुसुम योजना के तहत सौर पंप प्रणालियों का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अगस्त में भारत के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात में 4.9 प्रतिशत की वृद्धि



कोलकाता, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और व्यापार युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत ने इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात में मजबूती दिखाई है। अगस्त 2025 में देश से इंजीनियरिंग सामानों का निर्यात 4.9 प्रतिशत बढ़कर 9.90 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 9.44 अरब डॉलर था। इंडिया के चेयरमैन पंकज चट्टा ने कहा कि अगस्त में हुई यह बढ़ोतरी उत्पादन के कारण है, लेकिन अमेरिकी शुल्कों की वजह से तनाव के शुरुआती संकेत भी दिख रहे हैं। जुलाई की तुलना में अगस्त में निर्यात लगभग पांच प्रतिशत घटा। चट्टा ने बताया कि करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात अमेरिकी शुल्कों की चपेट में हैं, जिससे यह क्षेत्र संवेदनशील बना हुआ है। ईईपीसी इंडिया ने सरकार से ब्याज समानता योजना (इंटररेस्ट इक्वलाइजेशन स्कीम) को फिर से लागू करने की मांग की है, ताकि निर्यातकों को सस्ती दरों पर वित्त उपलब्ध हो सके। इसके अलावा मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव (एमएआई) को भी पुनः शुरू करने और मजबूत करने की जरूरत बताई गई है। इस योजना से छोटे और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को नए बाजारों की खोज करने, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भाग लेने और वैश्विक स्तर पर भारत की इंजीनियरिंग क्षमता को प्रदर्शित करने का अवसर मिल सकता है।

महाराष्ट्र में...

इससे पहले 22 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में शीर्ष अदालत के उस आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी, जिसमें राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया था कि नई आरक्षण नीति उन 367 स्थानीय निकायों पर लागू नहीं होगी, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। इसके बाद सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर अपने आदेश को वापस लेने या उसमें संशोधन की मांग की थी। शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई 2022 को राज्य चुनाव आयोग को चेतावनी दी थी कि अगर उसने स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया को फिर से अधिसूचित किया तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले राज्य सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला अध्यादेश लेकर आई थी।

इससे पहले दिसंबर 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि सरकार शीर्ष अदालत के 2010 के आदेश में निर्धारित ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं करती। कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि जब तक ट्रिपल टेस्ट मानदंड पूरा नहीं हो जाता, तब तक ओबीसी सीटों को सामान्य श्रेणी की सीटों के रूप में फिर से अधिसूचित किया जाएगा। ट्रिपल टेस्ट के लिए राज्य सरकार को प्रत्येक स्थानीय निकाय में ओबीसी के पिछड़ेपन पर डेटा एकत्र करने, आयोग की सिफारिशों के आलोक में प्रत्येक स्थानीय निकाय में आरक्षण के अनुपात को निर्दिष्ट करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित आयोग का गठन करने की आवश्यकता थी कि ऐसा आरक्षण एससी/एसटी/ओबीसी के लिए आरक्षित कुल सीटों के 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

देशभर में एक साथ...

सूची से हट सकते हैं। हालांकि यह स्थिति 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद ही साफ हो सकेगी। आयोग से जुड़े विश्लेषकों के मुताबिक देश भर में एसआईआर होने से जहां मतदाता सूची की गड़बड़ियां दूर हो जाएंगी, वहीं इसका स्वतः असर मतदान प्रतिशत पर पड़ेगा। एक अनुमान के मुताबिक यदि देश भर की मतदाता सूची से करीब 15 करोड़ लोगों के नाम हट जाएंगे, तो मतदान प्रतिशत में करीब दस प्रतिशत का उछाल दिखेगा। उदाहरण के तौर पर 2024 में सौ करोड़ मतदाताओं की संख्या पर हुए चुनाव में जहां करीब 66 प्रतिशत मतदान हुआ था, वहीं 85 करोड़ मतदाताओं पर होने पर मतदान का प्रतिशत करीब 77 प्रतिशत हो जाएगा।

आज विश्वकर्मा पूजा

पूजा में भूलकर भी न करें ऐसी गलती वरना पछताएंगे पूरे साल

पूजा हर साल सूर्य के कन्या राशि में आने पर आयोजित होता है। आमतौर पर 17 सितंबर के दिन सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करते हैं। इस साल भी सूर्य 16 तारीख की मध्यरात्रि के बाद रात 1 बजकर 47 मिनट पर कन्या राशि में प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे में 17 सितंबर को पूरे देश में विश्वकर्मा पूजा किया जाएगा।

विश्वकर्मा पूजा क्यों मनाते हैं

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विश्वकर्मा का जन्म अश्विन संक्रांति के दिन हुआ है। इसलिए हर साल इसी दिन विश्वकर्मा जयंती पर विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया जाता है। भगवान विश्वकर्मा का हर युग में सम्मान रहा है। देवी देवता भी भगवान विश्वकर्मा का आदर करते हैं। ऐसी कथा है कि सृष्टि के निर्माण के लिए यह उलझन हुई कि सृष्टि बनेगी तो पृथ्वी का आकार कैसा होगा। तब भगवान विश्वकर्मा ने ही पृथ्वी को आकार दिया था।

विश्वकर्मा पूजा का महत्व

जब देवताओं को वृत्रासुर ने पराजित कर दिया था उस समय देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विश्वकर्मा ने ही महर्षि दधीचि की अस्थियों से देवताओं के लिए अस्त्र शस्त्र का निर्माण किया था। देवराज इंद्र का वज्र भी भगवान विश्वकर्मा ने ही बनाया था। जिससे देवताओं ने वृत्रासुर का वध करके वापस स्वर्ग पर अधिकार कर लिया। भगवान विश्वकर्मा सूर्यदेव के भी रिश्तेदार लगते हैं। भगवान विश्वकर्मा की पुत्री का विवाह सूर्यदेव से हुआ है इसलिए रिश्ते में भगवान विश्वकर्मा

सूर्यदेव के ससुर लगते हैं। सूर्यदेव का तेज पहले और भी अधिक था जिसे इनकी पत्नी सहन नहीं कर पा रही थी। ऐसे में सूर्यदेव के तेज को छोटकर आकार देने का काम भी भगवान विश्वकर्मा ने किया। द्वापर में भगवान विश्वकर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण ने बुलाने पर द्वारका नगरी का निर्माण किया था। अब कलियुग में सबकुछ मशीन और कलपुर्जु से चलने वाले हैं। ऐसे में भगवान विश्वकर्मा का महत्व और बढ़ गया है। क्योंकि लगभग हर घर में कुछ न कुछ उपकरण, वाहन, और मशीनरी होती है। इसलिए विश्वकर्मा पूजा कलियुग में हर किसी को करना चाहिए।

विश्वकर्मा पूजा के लाभ

भगवान विश्वकर्मा को देव शिल्पी कहा जाता है। भगवान विश्वकर्मा ही कलपुर्जु और मशीनरी के देवता माने जाते हैं। इनकी पूजा से शिल्पकारों, बढ़ई, मैकेनिक और मिस्त्री के काम में दक्षता आती है। ऐसा माना जाता है कि जैसे देवी सरस्वती विद्यार्थियों को ज्ञान और विद्या देती हैं उसी प्रकार भगवान विश्वकर्मा अपने भक्तों को कार्यक्षेत्र में दक्षता प्रदान करते हैं। भगवान विश्वकर्मा की पूजा से वाहन, मशीनरी आदि सुचारू रूप से काम करते हैं और उनमें कम



खराबी आती है जिससे कमाई बढ़ती और मशीनरी पर खर्च भी कम आता है। वाहन आपको रास्ते में खराब होकर पेशान नहीं होने देता है। इसलिए विश्वकर्मा पूजा भक्ति भाव से करनी चाहिए।

विश्वकर्मा पूजा में भूल कर भी नहीं करें यह भूल

विश्वकर्मा पूजा करने वाले लोगों को विश्वकर्मा पूजा के दिन अपने औजारों को धोकर अथवा साफ करके पूजा स्थल पर भगवान विश्वकर्मा के सामने रखना चाहिए और पूजा के बाद औजारों की भी पूजा करें।

घर में जो भी उपकरण हैं उनकी साफ सफाई विश्वकर्मा पूजा के दिन जरूर करें। पूजा के बाद सभी उपकरण पर स्वास्तिक का चिह्न बनाना

चाहिए।

आपके पास वाहन है तो वाहन की सफाई करें। वाहन में कोई दिक्कत है तो उसे पहले ही ठीक करवा लें। वाहन की पूजा करें और वाहन पर भी स्वास्तिक का चिह्न सिंदूर अथवा रोली से बनाएं। वाहन में भगवान विश्वकर्मा का वास मानकर माला पहनाएं। पूजा के बाद वाहन को स्टार्ट जरूर करें। और भगवान विश्वकर्मा से प्रार्थना करें कि वाहन के कलपुर्जु कुशलता से काम करते रहें। कभी रास्ते में धोखा न दे।

भगवान विश्वकर्मा की पूजा के दिन अगर संभव हो तो पूजा के बाद मशीनरी को बंद रखें। अगले दिन की पूजा के बाद ही मशीनरी को फिर से चालू करें।

विश्वकर्मा पूजा के दिन किसी भी शिल्पकार, मैकेनिक, मिस्त्री, के साथ गलत बात व्यवहार करने से बचें। अगर संभव है तो जहां भी विश्वकर्मा पूजा किया जा रहा हो वहां अपनी ओर से कुछ सहयोग कर देना चाहिए।

विश्वकर्मा पूजा के दिन सूर्य संक्रांति भी होती है इसलिए इस दिन भगवान सूर्य की भी पूजा करनी चाहिए और अन्न, वस्त्र का दान किसी बुजुर्ग व्यक्ति को करना चाहिए। अगर आप अपने ससुरजी को दान देंगे तो यह अधिक उत्तम रहेगा।

विश्वकर्मा पूजा सामग्री लिस्ट इन चीजों के बिना अधूरी रह सकती है आपकी पूजा

विश्वकर्मा जयंती हर साल भाद्रपद मास में जब सूर्य सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करते हैं तब मनाई जाती है। इस विशेष तिथि पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा विधि-विधान से की जाती है। वहीं, लोग अपने औजारों, कैबरी, मशीनों, दुकान, वाहन आदि की पूजा भी करते हैं। साथ ही, इस दिन औजार से जुड़ा काम करने वाले लोग अपने औजारों का प्रयोग नहीं करते हैं। इस दिन पूजा के लिए कुछ जरूरी सामान का होना बेहद आवश्यक है, अन्यथा आपकी पूजा अधूरी रह सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें विश्वकर्मा पूजा के लिए किन-किन चीजों की जरूरत पड़ती है।

विश्वकर्मा पूजा के लिए आपको इन चीजों की आवश्यकता होगी

भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर, अक्षत, कुमकुम, गुलाल, सुपारी, फूल, रक्षासूत्र, फल, मिठाई, धूप, दही, दीपक, लकड़ी की चौकी, लाल या पीला वस्त्र आसन के लिए, पंचामृत, इलायची, जल से भरा कलश, गंगाजल और पंचमेवा।

विश्वकर्मा पूजा विधि : अपने पूजा स्थल को पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके बाद, वहां लकड़ी के चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर विश्वकर्मा भगवान की तस्वीर रखें। इसके बाद, अपने औजारों, मशीनों आदि को भी अच्छी तरह साफ करके रख लें। अब कुमकुम, अक्षत, फूल, गुलाल, धूप आदि से विधि-विधान से भगवान की पूजा करें। साथ ही, उन्हें पंचमेवा, मिठाई और फल भी जरूर चढ़ाएं। पूजा स्थल पर एक जल से भरा कलश भी जरूर रखें और उस पर रोली व अक्षत लगाएं। साथ ही, अपने मशीनों और औजारों पर भी तिलक व अक्षत लगाएं। सभी औजारों पर फूल चढ़ाकर विश्वकर्मा भगवान की आरती करें और आखिर में सभी में प्रसाद बांटें।

ज्योतिष शास्त्र भाग्य बताने का साधन नहीं!

कर्मशील बनने और अपने पुरुषार्थ से भविष्य को सँवारने का देता है संदेश!



व्यक्ति अपने अतीत को नहीं बदल सकता, वर्तमान से नहीं बच सकता, केवल भविष्य का निर्माण करना उसके हाथों में है, जो पुरुषार्थ द्वारा ही संपन्न किया जा सकता है। हम भाग्य को माँनें अथवा न माँनें, प्रत्येक दशा में हमारा कर्तव्य शुभ कर्म संपादन हेतु निरंतर पुरुषार्थ करते रहना चाहिए।

भविष्यवाणी की दो संभावित प्रतिक्रियाएँ- लोग अपना भाग्य जानने के लिए प्रायः ज्योतिषियों का सहारा लेते हैं। इस प्रक्रिया का परिणाम प्रायः दो रूपों में मिलता है। कुछ लोग ग्रह दशा के अनुसार अपने कार्यक्रम, अपने पुरुषार्थ की दिशा को निर्धारित कर लेते हैं, इस प्रकार वे अपने ऊपर आए अनिष्ट ग्रहों के कुप्रभाव को मंद तथा शुभ प्रभाव को अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास करते हैं, जबकि अन्य कुछ लोग भावी अच्छे प्रभाव की संभावना में भविष्य के प्रति निश्चित हो जाते हैं और इस प्रकार से पुरुषार्थ रहित होकर लाभ से वंचित हो जाते हैं, क्योंकि वे कर्म करना बन्द कर देते हैं। दूसरी तरह के लोग भावी बुरे

प्रभाव को अवश्यभावी मानकर उसी क्षण से चिंताग्रस्त हो जाते हैं और हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते हैं, जो निष्क्रियता को जन्म देता है।

ज्योतिष शास्त्र का मूल उद्देश्य- आकाश में ग्रह-नक्षत्रों की गति मनुष्य के जीवन पर सूक्ष्म प्रभाव डालती है, किंतु उनका असर तभी फलदायी बनता है जब हम स्वयं कर्मशील बने रहें। ज्योतिष शास्त्र का उद्देश्य आपको निष्क्रिय बनाना नहीं है, बल्कि पुरुषार्थ की सही राह दिखाना है। ज्योतिष और भाग्यफल की शरण में जाने का उद्देश्य पुरुषार्थ होना चाहिए, न कि निष्क्रिय होकर बैठ जाना। ज्योतिष शास्त्र भाग्य बताने का साधन भर नहीं है, बल्कि यह हमें कर्मशील बनने और अपने पुरुषार्थ से भविष्य को सँवारने का संदेश देता है।

चेतावनी और प्रेरणा देने का साधन- यदि हम अशुभ फल की संभावना से भयभीत होकर निराशा में डूब जाएं तो हमारी मानसिक ऊर्जा क्षीण हो जाती है और जीवन ठहराव का शिकार हो जाता है। ज्योतिष वास्तव में मनुष्य को चेतावनी और प्रेरणा देने का साधन है। यह हमें बताता है कि कौन-सा समय हमारे प्रयासों के लिए अनुकूल है और किन परिस्थितियों में हमें अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। दिशा दिखाना और मार्ग बताना ही ज्योतिषी का कार्य है, चलना तो मनुष्य को स्वयं ही पड़ता है। अतः आवश्यक है कि मनुष्य ज्योतिष को मार्गदर्शक मानते हुए सतत पुरुषार्थ करता रहे।

इंदिरा एकादशी व्रत कथा, सभी पापों से मिलेगी मुक्ति और व्रत का पूर्ण फल होगा प्राप्त

युधिष्ठिर ने पूछा- मधुसूदन! कृपा करके मुझे यह बात बताइए कि आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में कौन-सी एकादशी आती है? कृष्ण पक्ष में इंदिरा नाम की एकादशी आती है, जिसके व्रत के प्रभाव से बड़े-बड़े पापों का नाश हो जाता है। वहीं, नीच योनि में पड़े हुए पितरों को भी यह एकादशी सदागति देने वाली मानी जाती है। राजन! पूर्व काल की बात है, सत्य युग में इन्द्रसेन नामक एक राजकुमार थे, जो माहिष्मती पुरी के राजा होकर धर्म पूर्वक प्रजा का पालन करते थे। उनका यश चारों ओर फैल हुआ था। राजा इन्द्रसेन भगवान विष्णु की भक्ति में तत्पर हो गोविंद के मोक्ष दायक नामों का जाप करते हुए अपना समय निकालते थे और विधिपूर्वक अध्यात्म तत्त्व के चिंतन में लगे रहा करते थे। एक दिन राजा राजसभा में सुखपूर्वक बैठे हुए थे, तभी देवर्षि नारद आकाश से उतरकर वहां आ पहुंचे। उन्हें आता हुआ देखकर राजा हाथ जोड़कर खड़े हो गए और विधिपूर्वक पूजन करके उन्हें आसन पर बिठा दिया, इसके बाद, उन्होंने बोला- मुनिश्रेष्ठ! आपकी कृपा से मेरी सर्वथा कुशल है। आज आपके दर्शन से मेरी सभी यत्न-क्रियाएं सफल हो गई हैं। देवर्षे, आप अपने आने का कारण बताकर मुझ पर कृपा कीजिए।

नारदजी ने कहा- नृपश्रेष्ठ! सुनो, मेरी बात तुन्हें आश्चर्य में डालने देंगी, मैं ब्रह्म लोक से यमलोक में आया था, तभी वहां एक श्रेष्ठ आसन पर बैठा और यमराज ने मेरी भक्ति पूर्वक पूजा की। यमराज की सभा में मैंने उस



इंदिरा एकादशी 2025 व्रत कथा

वक्त तुम्हारे पिता को भी देखा। वे व्रत भंग के दोष से वहां आए हुए थे। राजन, उन्होंने तुम्हें एक संदेश देने के लिए कहा था, उसे सुनो। उन्होंने कहा, बेटा। मुझे इंदिरा' एकादशी के व्रत का पुण्य देखकर स्वर्ग में भेज दो। उनका यही संदेश बताने के लिए मैं तुम्हारे पास आया हूं। राजन, अपने पिता को स्वर्ग लोक की प्राप्ति कराने हेतु 'इंदिरा' एकादशी का व्रत करो।

राजा ने सवाल किया- भगवन, कृपा करके इंदिरा' व्रत की विधि मुझे बताएं। किस पक्ष में, किस तिथि को और किस विधि से इसका व्रत करना चाहिए।

नारद जी ने कहा- राजेन्द्र, सुनो, मैं तुम्हें इस व्रत की शुभ कारक विधि बताता हूं। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में दशमी तिथि

के उत्तम दिन पर श्रद्धायुक्त मन से प्रातःकाल स्नान करें। फिर, मध्याह्नकाल में खान करके एकाग्रचित्त हो एक समय भोजन ग्रहण करें तथा रात्रि के समय भूमि पर शयन करें। रात्रि के अंत में निर्मल प्रभात होने पर एकादशी व्रत के दिन दातुन करके मुंह धो लें। इसके बाद, भक्ति के भाव से निप्रामित मंत्र पढ़ते हुए उपवास का नियम ग्रहण करें। अद्य स्थित्वा निराहारः सर्वभोगविवर्जितः । रश्मि भोक्ष्ये पुण्डरीकाक्ष शरण मे भवाच्युत ॥ कमलनयन भगवान नारायण, आज मैं सभी भोगों से अलग हो निराहार रहकर कल भोजन करूंगा। अच्युत । आप मुझे शरण दीजिए।

इस प्रकार नियम करके मध्याह्नकाल में पितरों की प्रसन्नता के लिए शालग्राम शिला

के सामने विधिपूर्वक श्राद्ध करें और दक्षिणा से ब्राह्मणों का सत्कार करके उन्हें भोजन कराना चाहिए। पितरों को दिए हुए अन्नमय पिंड को सूँघकर विद्वान् पुरुष गाय को खिला दें। इसके बाद, धूप और गंध आदि से भगवान हृषीकेश का पूजन करें व रात्रि के समय उनके समीप जागरण करें। तत्-पश्चात सुबह होने पर द्वादशी के दिन दोबारा भक्ति पूर्वक श्री हरी की पूजा करनी चाहिए। फिर, ब्राह्मणों को भोजन कराने के पश्चात भाई-बंधु, नाती और पुत्र आदि के साथ स्वयं मौन होकर भोजन करना चाहिए।

राजन, इस विधि से आलस्य रहित होकर तुम 'इंदिरा' का व्रत करो। ऐसा करने से तुम्हारे पितर भगवान विष्णु के वैकुण्ठ-धाम में चले जाएंगे।

भगवान कृष्ण कहते हैं- राजन, राजा इन्द्रसेन से इस बात को कहकर देवर्षि नारद अन्तर्धान हो गए । राजा ने उनके द्वारा बताई हुई विधि से अन्तःपुर की रानियों, पुत्रों और भृत्यों सहित उस उत्तम व्रत का अनुष्ठान किया। कुन्तीनन्दन, व्रत पूरा होने पर आकाश से फूलों की वर्षा होनी शुरू हो गई। इन्द्रसेन के पिता गरुड़ पर आरूढ़ होकर श्रीविष्णु धाम की ओर चले गए और राजर्षि इन्द्रसेन भी अकण्टक राज्य का उपभोग करके अपने पुत्र को राज्य सौंपकर स्वयं स्वर्ग लोक चले गए। इस प्रकार मैंने तुम्हारे सामने इन्दिरा व्रत के महात्म्य का वर्णन किया है। इसे पढ़ने और सुनने से मनुष्य सब पापों से मुक्ति पा लेता है।

मृत व्यक्ति के लिए रोना-धोना छोड़कर पिंडदान, श्राद्ध आदि कर्म करें



चूंकि मृत व्यक्ति के लिए शोक, दुःख, विलाप करने वाले बन्धु-बान्धव उसका कुछ भी उपकार नहीं करते हैं, इसलिए उन्हें चाहिए कि वे रोना-धोना छोड़कर स्वस्थ होकर यथाशक्ति उसके कल्याण के निमित्त और्ध्वदैहिक पिंडदान, श्राद्ध, ब्राह्मण भोजन, दान आदि सत्कर्म करें। इससे प्रेत, प्रेतत्व से मुक्त होकर सद्गति प्राप्त करता है। केवल रोना, विलाप करना, शोक ममाना तथा पिंड दान आदि कुछ भी कर्म न करना अज्ञानता है तथा मृत व्यक्ति अधोगति प्रदान करना है।

शोचन्तो नोपकुर्वन्ति मृतस्येह जना यतः।

अतो न रोदितव्यं हि क्रियाः कार्याः स्वशक्तिः॥

जन्मदाता, माता-पिता एवं परिजनों को मृत्योपरांत लोग विस्मृत न कर दें इसलिए उन्हें याद कर श्रद्धांजलि का विधान पितृपक्ष में बनाया गया है। पितृपक्ष में पितृगण ही आराध्य देवता माने गए हैं, पितरों की प्रसन्नता के बाद ही देवी-देवता प्रसन्न होते हैं, ऐसा धर्मशास्त्रों में वर्णित है। पितृपक्ष में पितरों को श्रद्धांजलि देने से न केवल पितरों बल्कि श्रद्धांजलि देने वाले का परिवार सहित कल्याण होता है। पितृपक्ष में पितरों के निमित्त किया गया कोई भी धार्मिक कार्य, दान-पुण्य, कर्म व्यर्थ नहीं जाता है, पितरों को संतुष्ट कर वंशजों को उनका आशीर्वाद दिलाता है।

जन्मदाता, माता-पिता एवं परिजनों को मृत्योपरांत लोग विस्मृत न कर दें इसलिए उन्हें याद कर श्रद्धांजलि का विधान पितृपक्ष में बनाया गया है। पितृपक्ष में पितृगण ही आराध्य देवता माने गए हैं, पितरों की प्रसन्नता के बाद ही देवी-देवता प्रसन्न होते हैं, ऐसा धर्मशास्त्रों में वर्णित है। पितृपक्ष में पितरों को श्रद्धांजलि देने से न केवल पितरों बल्कि श्रद्धांजलि देने वाले का परिवार सहित कल्याण होता है। पितृपक्ष में पितरों के निमित्त किया गया कोई भी धार्मिक कार्य, दान-पुण्य, कर्म व्यर्थ नहीं जाता है, पितरों को संतुष्ट कर वंशजों को उनका आशीर्वाद दिलाता है।

श्राद्ध में कुतुप काल क्या होता है ? इस समय श्राद्ध नहीं किया तो मिलते हैं ये बुरे परिणाम

पूर्वजों का ऋण चुकाने के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। श्राद्ध पितरों की आत्मा की शांति होता है और शाश्वत में इसे करने का एक निश्चित समय बताया गया है। श्राद्ध कर्म के लिए कुतुप काल सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। क्या है कुतुप काल, इस दौरान श्राद्ध नहीं करने पर क्या होता है आइए जानते हैं।

कुतुप काल क्या है?

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए किए जाने वाले श्राद्ध उचित वक्त पर करने से ही फलदायी होते हैं। श्राद्ध के लिए कुतुप काल को सबसे उचित मुहूर्त माना जाता है ये दिन का आठवां मुहूर्त होता है। जो तिकरीबन सुबह 11:30 से 12:42 के बीच होता है।

इस दौरान अग्नि के जरिए पितरों को भोग भोग को बिना किसी कठिनाई के ग्रहण कर लेते हैं। श्राद्ध के लिए दोपहर का समय क्यों है श्रेष्ठ पुराणों के अनुसार सूर्य के जरीए ही श्राद्ध हमारे



है, पितर अपने वंशजों के जरिए श्राद्ध से लगाए भोग को बिना किसी कठिनाई के ग्रहण कर लेते हैं। श्राद्ध के लिए दोपहर का समय क्यों है श्रेष्ठ पुराणों के अनुसार सूर्य के जरीए ही श्राद्ध हमारे

पितरों तक पहुंचता है। इसलिए पुराणों में सूर्य का एक नाम पितर भी बताया गया है। दोपहर के समय सूर्य अपने पूरे प्रभाव में होता है जिससे पितरों को श्राद्ध ग्रहण करने में आसानी होती है।

कुतुप काल में श्राद्ध नहीं करने पर क्या होता है?

कहा जाता है कि कुतुप मुहूर्त में पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म ना करने से अनुष्ठान अधूरा रह जाता है। साथ ही पितरों की आत्मा बिना तृप्त हुए वापस लौट जाती है और फिर परिवार जन को कष्टों का सामना करना पड़ता है।

सुबह या शाम श्राद्ध क्यों नहीं करना चाहिए ?

धर्म ग्रंथों के अनुसार सुबह का समय देवी-देवताओं की पूजा का होता है, और पितर-देव पूजन एक साथ नहीं किए जाते हैं। वहीं शाम का समय राक्षसों के लिए होता है। यह श्राद्ध कार्यों के लिए निंदित माना जाता है।

निया शर्मा ने किए इंडस्ट्री में 15 साल पूरे दिखाई करियर की कुछ झलकियां



टी वी इंडस्ट्री की चमकती सितारा निया शर्मा ने अपने अभिनय करियर के 15 साल पूरे कर लिए हैं। अपने बिदास और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर निया ने इस खास

मौके को धूमधाम से मनाया और सोशल मीडिया पर अपनी जर्नी की शानदार झलकियां साझा कीं। निया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं, जो उनकी

15 साल की मेहनत और सफलता को दर्शाती हैं। पहली वीडियो में उनकी करियर की शुरुआत से लेकर अब तक की यात्रा दिखाई गई है, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 15 साल पूरे! दूसरी वीडियो उनके किसी फैन ने लगाई थी, जिसको निया ने रिपोस्ट किया। वीडियो में उनके सीरियल्स, म्यूजिक वीडियो और अवॉर्ड शो के खास पल शामिल हैं।

तीसरी पोस्ट में निया एक खूबसूरत केक काटती नजर आई, जिस पर उनकी तस्वीर छपी थी। एक अन्य वीडियो में निया ने मजाकिया अंदाज में कहा, ये केक इतना प्यारा है कि मेरा मन इसे काटने को नहीं कर रहा!

निया ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में स्टार प्लस के धारावाहिक 'काली - एक अग्रिपरिक्षा' से की थी, जिसमें उन्होंने अनु का किरदार निभाया। इसके बाद वह 'एक हजारों में मेरी बहना है' में मानवी चौधरी के किरदार में नजर आई थीं, जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया था। इसके बाद निया ने 'जमाई राजा' में रोशनी पटेल और 'इश्क में मरजावां' और 'नागिन 4' में बूढ़ा पारेख जैसे किरदारों से दर्शकों का दिल जीता। अभिनय के साथ-साथ निया ने रियलिटी शो में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। वह 'खतरों के खिलाड़ी 14' और 'झलक दिखला जा 10' का हिस्सा रह चुकी हैं। निया हाल ही में 'लाफ्टर शेफ्स - अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह जैसे सितारे शामिल थे। शो में भारती सिंह और शेफ हरपाल सिंह सोखी जज थे।



रूश सिंधु ने जीता मिस इंटरनेशनल इंडिया 2025 का ताज, टोक्यो में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

नागपुर शहर की होनहार मॉडल रूश सिंधु ने प्रतिभा और मेहनत के दम पर 'मिस इंटरनेशनल इंडिया 2025' का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वे अब भारत का प्रतिनिधित्व 'मिस इंटरनेशनल 2025' प्रतियोगिता में करेंगी, जो 27 नवंबर को जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित होगी। रूश की यह जीत न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे नागपुर और देश के लिए गर्व का पल है।

रूश सिंधु ने इससे पहले 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2025' में टॉप-6 फाइनलिस्ट में जगह बनाई थी। उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और आकर्षक व्यक्तित्व ने उन्हें इस ऊंचाई तक पहुंचाया। नागपुर लौटने पर उनका जोरदार स्वागत हुआ, जिसमें परिवार, दोस्त और प्रशंसक शामिल थे। इस मौके पर रूश ने अपनी खुशी और भावनाएं भी व्यक्त कीं।

उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश और आभारी हूं। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मुझे देश और दुनिया भर से मिल रहे प्यार और समर्थन ने भावुक कर दिया। आप सभी का साथ मेरे लिए अनमोल है। यह पहली बार है, जब मैं ताज जीतने के बाद अपने परिवार से मिल रही हूं। अपने माता-पिता और अपनों के बीच होना बहुत खास है। भारत का प्रतिनिधित्व करना सपना था। अब मैं इसे जी रही हूं। रूश ने कहा, हर प्रतियोगिता में चुनौतियां होती हैं, लेकिन सही तैयारी ही सफलता की कुंजी है। हमें हर पहलू पर ध्यान देना होता है, ताकि हम एक संपूर्ण व्यक्तित्व के रूप में उभर सकें। मेरी कोशिश यही है कि मैं हर चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार रहूं।

उन्होंने कहा, मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना बेहद जरूरी है। कोविड-19 महामारी ने हमें यह सिखाया कि अपनी भावनाओं को समझना और व्यक्त करना कितना महत्वपूर्ण है। मैंने मनोविज्ञान में पांच साल तक अध्ययन किया है, जिससे मुझे भावनात्मक बुद्धिमत्ता की गहराई समझ में आई। अगर हम अपने मन को समझें, तो हम उसका सही उपयोग कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा, हर उस लड़की को, जो मॉडलिंग या ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेना चाहती है, मैं यही कहूंगी कि अपने माता-पिता का समर्थन जरूर लें। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना एक अनमोल अनुभव है। खुद पर भरोसा करना सबसे जरूरी है। अगर आप खुद पर यकीन करेंगी, तो आपका परिवार और पूरी दुनिया आपका साथ देगी। रूश केवल ब्यूटी पेजेंट तक सीमित नहीं हैं। वे सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं और खासकर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही हैं।

ट्रेंड्स नहीं, क्रिएटिविटी के लिए काम करना ही मेरा मकसद : सबा आजाद

अभिनेत्री और गायिका सबा आजाद इन दिनों अपनी नई सीरीज सॉन्स ऑफ पैराडाइज को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में आईएनएस से अपने करियर के बारे में बात की। साथ ही बताया कि कैसे उन्होंने खुद को इंडस्ट्री में टाइपकास्ट होने से बचाए रखा। सबा एक प्रोफेशनल वॉयस ओवर आर्टिस्ट और सिंगर भी हैं। उन्होंने रॉकेट बॉयज, बंदर, मुझसे दोस्ती करोगे जैसी कई फिल्मों और सीरीज में बेहतरीन काम किया है। सबा से जब पूछा गया कि अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए हैं, यह किसी प्लानिंग का हिस्सा है या फिर अपने आप उन तक ऐसे किरदार पहुंचे। इसका जवाब देते हुए सबा ने कहा, मैं हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स चुनने की कोशिश करती हूं, जो मुझे रोमांचित करें। शुरु है कि हर प्रोजेक्ट एक-दूसरे से अलग रहा है, जिससे मुझे हर काम में खुद को पूरी तरह झोکنे और कुछ नया सीखने का अवसर मिलता है।

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर कलाकारों को एक ही तरह के किरदार ऑफर होते हैं या उन्हें वैसे रोल्स तक सीमित कर दिया जाता है। इससे वो कैसे बचें? इस पर अभिनेत्री ने कहा, मैं ट्रेंड्स का पीछा नहीं करती, बल्कि सृजन की खुशी ही मेरे काम की सबसे बड़ी वजह है। क्रिएटिविटी के लिए ही मैं काम करना पसंद करती हूं। सबा आजाद इन दिनों बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ रिलेशनशिप में हैं। कुछ समय पहले लोगों ने उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया था और कहा था कि ऋतिक की गर्लफ्रेंड हो, तुम्हें काम करने की क्या जरूरत? उन्होंने ट्रोलर्स को करारा जवाब देकर उनकी बोलती बंद कर दी थी। सबा आजाद ने 2008 में डायरेक्टर अनिल सीनियर की फिल्म 'दिल कबड्डी' से बॉलीवुड में कदम रखा था। सबा आजाद बहुत जल्द फिल्म 'बंदर' में दिखाई देंगी। इसे टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) के 50वें संस्करण में प्रीमियर किया गया था। इसकी कहानी बलात्कार के आरोपी एक सुपरस्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कानूनी व्यवस्था में व्याप्त अन्याय को उजागर करती है। इसे निखिल द्विवेदी और अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है। इसमें बाँबी देओल, सान्या मल्होत्रा और सपना पब्बी जैसे सितारे भी हैं।

शिल्पा शेड्डी ने सिखाया भ्रामरी योग, बोलीं गुनगुनाकर पाएं मन की शांति

अभिनेत्री शिल्पा शेड्डी अपनी फिटनेस, आकर्षक व्यक्तित्व और अनुशासित जीवनशैली के लिए जानी जाती हैं। वे लंबे समय से योग, स्वस्थ खानपान और नियमित व्यायाम को बढ़ावा देती रही हैं। सोमवार को उन्होंने अपने प्रशंसकों के लिए सोशल मीडिया पर भ्रामरी प्राणायाम सिखाते हुए वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो के जरिए शिल्पा ने न केवल इस योग क्रिया को करने का आसान तरीका बताया, बल्कि इसके फायदों को भी उजागर किया।

शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में बताया कि यह एक ऐसी योग क्रिया है, जिसमें हल्की गुनगुनाहट के साथ सांस ली और छोड़ी जाती है। शिल्पा के मुताबिक, नियमित रूप से भ्रामरी करने से मन शांत रहता है, तनाव कम होता है और जीवन में संतुलन बना रहता है। यह योग मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ एकाग्रता बढ़ाने में भी मददगार है।

इस संदेश के जरिए उन्होंने अपने प्रशंसकों को इस सरल योग क्रिया को अपनी दिनचर्या में

शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

शिल्पा ने यह भी बताया कि भ्रामरी प्राणायाम न केवल मन को सुकून देता है, बल्कि यह नंद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।



बारों में भी बताया था। इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, कूदो, झुको, लेकिन कभी रुको मत। शिल्पा जल्द ही कन्नड़ एक्शन ड्रामा फिल्म 'केडी: द डेविल' में दिखेंगी। इसके निर्देशक प्रेम हैं। फिल्म में शिल्पा के साथ ध्रुव सराज, संजय दत्त, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रीश्मा नानैया और नोरा फतेही जैसे सितारे नजर आएंगे।

तमन्ना भाटिया : डू यू वाना पार्टनर महिला उद्यमियों की अलग तस्वीर पेश करेगा

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' बहुत जल्द ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इसमें डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे हैं। 'डू यू वाना पार्टनर' की रिलीज से पहले तमन्ना भाटिया ने बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सीरीज की खासियत के बारे में बताया। तमन्ना भाटिया ने यह भी बताया कि इस सीरीज की स्क्रिप्ट क्यों उन्हें पसंद आई, साथ ही महिला उद्यमियों की यह कैसी तस्वीर पेश करेगा।

तमन्ना भाटिया ने कहा, जब मैंने पहली बार इसकी पटकथा पढ़ी, तो मैंने इसे सिर्फ उद्यमी ड्रामा के रूप में नहीं देखा। इसकी लीड एक्टर दोनों महिलाएं हैं, और इस तरह का संयोजन पहले कभी स्क्रीन पर नहीं दिखा। मुझे इसकी सिटकॉम जैसी ऊर्जा बहुत पसंद आई, और यही वह समय था जब मैंने पात्रों को गौर से देखा, क्योंकि वे बहुत दिलचस्प हैं। तमन्ना ने आगे कहा, जैसे-जैसे आप किरदारों की यात्रा का अनुसरण करते हैं, आप एक दुनिया का अनुभव करते हैं। जैसे बचपन में मेरा पसंदीदा शो 'एली मैकबील' था और वह एक लॉ फर्म पर आधारित था, इसलिए उन पात्रों के माध्यम से वकीलों की दुनिया दिखाई जाती है, इसलिए मुझे लगता है कि इस शो में भी कुछ ऐसा ही माहौल है।

'डू यू वाना पार्टनर' कैसे महिला बिजनेस वुमेन्स को अलग तरीके से पेश करता है, इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, महिलाएं कैसे शक्तिशाली बनती हैं, उस सफर को यहां दिखाया गया है। मुझे इस शो की यही बात सबसे अधिक पसंद आई। वरना जब आप शक्तिशाली महिलाओं को दिखाते हैं, तो आप उन्हें पहले ही सूट-बूट में दिखाकर काम चला लेते हैं। उन्हें देख हमेशा ऐसा लगता है कि वे पहले ही वहां पहुंच चुकी हैं। मगर इस सीरीज में ऐसा नहीं है, यहां उन्हें अलग तरह से पेश किया जाएगा। 'डू यू वाना पार्टनर' में दो सहेलियों की कहानी है, जो खुद का अल्कोहल ब्रांड लॉन्च करने के लिए पार्टनर बन जाती हैं।



बिहार सरकार ने स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड पर ब्याज माफ किया

निगरानी विभाग का बड़ा एक्शन, चपरासी 1.16 लाख रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

विकास मित्रों का 10 लाख बीमा कराएगी नीतीश सरकार, कॉरपोरेट पैकेज का मिलेगा लाभ

मुजफ्फरपुर में गरजे आनंद मोहन, किया पलटवार

अब भूरा बाल ही तय करेगा सिंहासन का वारिस

बांका को मिली बड़ी सौगात, मां दुर्गा मंदिर के पास बड़ुआ नदी तट पर बनेगा शिवर फ्रंट

त, मां दुर्गा मंदिर बनेगा रिवर फ्रंट

बिहार अधिकार यात्रा पर निकले तेजस्वी, पीएम और सीएम पर कसा तंज

केस करने से क्या होगा आओ ले चलो

दरभंगा में तेजस्वी को काला झंडा दिखाने की कोशिश हुई नाकाम

भाजपा नेता के समर्थकों को पुलिस ने खदेड़ा

डी सौगात, मां दुर्गा मंदिर **पी तट पर बनेगा शिवर फ्रंट**

